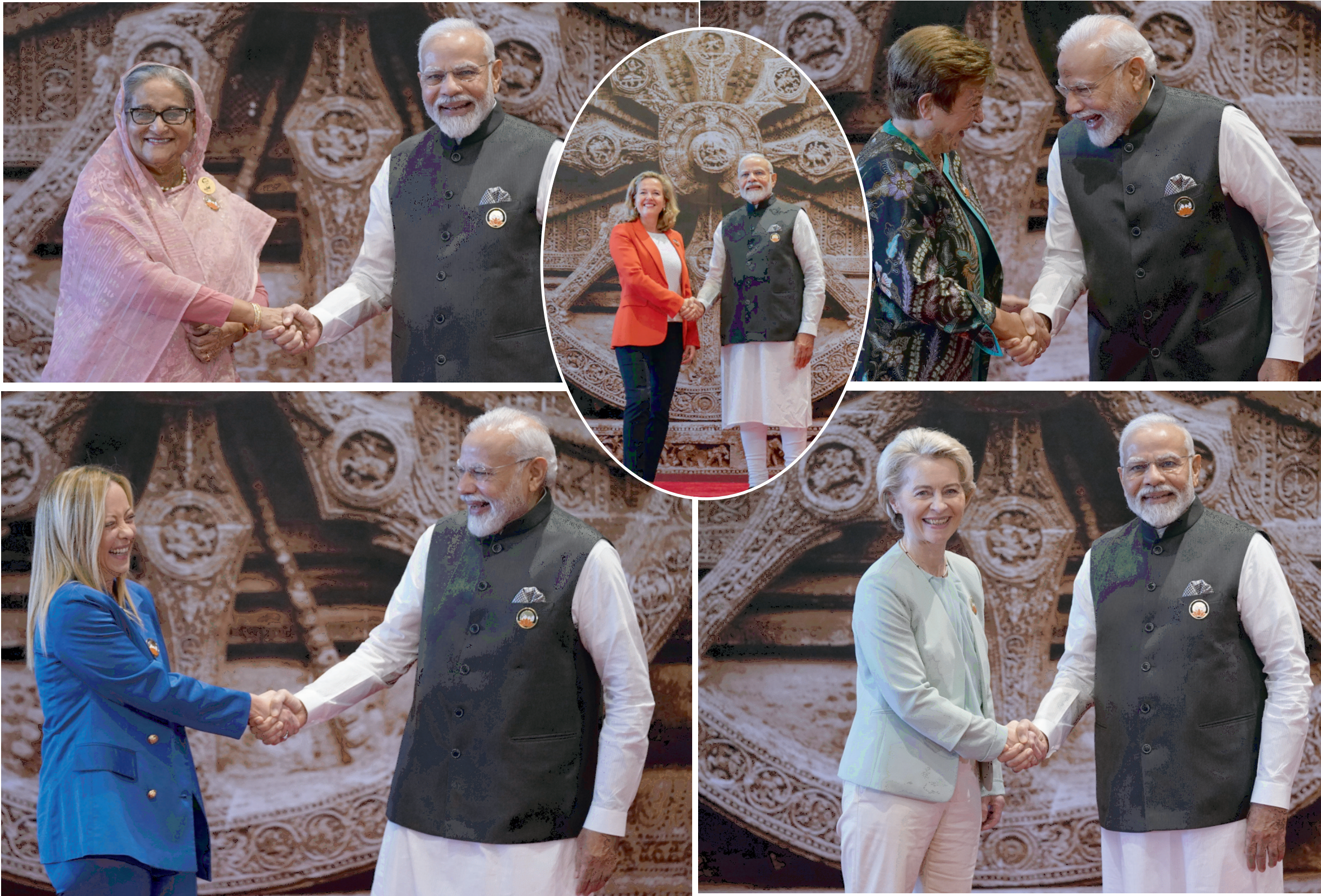


इटली की PM मेलोनी ही नहीं दुनिया की ये 5 ताकतवर महिला लीडर्स भी हैं, जिन पर G-20 में टिकी सबकी निगाहें

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना, आईएमएफ की एमडी क्रिस्टालिना जॉर्जीवा, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और स्पेन की उपराष्ट्रपति नादिया कैल्विनो वो ताकतवर महिलाएं हैं



इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना, आईएमएफ की एमडी क्रिस्टालिना जॉर्जीवा, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और स्पेन की उपराष्ट्रपति नादिया कैल्विनो वो ताकतवर महिलाएं हैं जिनकी मौजूदगी दुनिया भर की महिलाओं को सशक्त होने का एहसास कराती हैं। नारी शक्ति की चमक G20 में साफ देखने को मिल रही है। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी और बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के अलावा भी कुछ ऐसी महिलाएं हैं जो भारत की तरफ से रखे गए अहम मुद्दे 'महिलाओं के नेतृत्व में विकास' को पुख्ता करती हैं। कौन हैं ये नई दुनिया की दबंग महिला ब्रिगेड ?

बांग्लादेश की कमान संभाल रखी है शेख हसीना ने। हमेशा साड़ी में दिखती हैं। सिर पर पल्ला और सौम्य मुस्कान इनकी शक्तिशाली के वो पहलू हैं। जिससे नजर नहीं हटती। जी 20 में शिरकत करने पहुंची हैं। इनकी ग्लोबल कद का सम्मान हमारे पीएम ने भी किया। 18 सितंबर की शाम द्विपक्षीय बैठक की ओर फिर भारत के पीएम

बोले- पिछले नौ सालों के दौरान भारत और बांग्लादेश के संबंधों में सुखद प्रगति हुई है। पीएम मोदी का भरोसा ही शेख हसीना की अहमियत दर्शाता है।

दुनिया के पैसों का हिसाब रखती हैं ये हैं। नाम है क्रिस्टालिना जॉर्जीवा, जो अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की प्रबंध निदेशक हैं। G20 समिट की अहम बैठक में शामिल होने आई हैं। उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो संबलपुरी लोक नृत्य को के स्टेप्स को कॉपी करती दिख रही हैं।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना, आईएमएफ की एमडी क्रिस्टालिना जॉर्जीवा, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और स्पेन की उपराष्ट्रपति नादिया कैल्विनो वो ताकतवर महिलाएं हैं

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना, आईएमएफ की एमडी क्रिस्टालिना जॉर्जीवा, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और स्पेन की उपराष्ट्रपति नादिया कैल्विनो वो ताकतवर

महिलाएं हैं जिनकी मौजूदगी दुनिया भर की महिलाओं को सशक्त होने का एहसास कराती हैं। नारी शक्ति की चमक G20 में साफ देखने को मिल रही है। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी और बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के अलावा भी कुछ ऐसी महिलाएं हैं जो भारत की तरफ से रखे गए अहम मुद्दे 'महिलाओं के नेतृत्व में विकास' को पुख्ता करती हैं। कौन हैं ये नई दुनिया की दबंग महिला ब्रिगेड ?

बांग्लादेश की कमान संभाल रखी है शेख हसीना ने। हमेशा साड़ी में दिखती हैं। सिर पर पल्ला और सौम्य मुस्कान इनकी शक्तिशाली के वो पहलू हैं। जिससे नजर नहीं हटती। जी 20 में शिरकत करने पहुंची हैं। इनकी ग्लोबल कद का सम्मान हमारे पीएम ने भी किया। 18 सितंबर की शाम द्विपक्षीय बैठक की ओर फिर भारत के पीएम मोदी का भरोसा ही शेख हसीना की अहमियत दर्शाता है।

दुनिया के पैसों का हिसाब रखती हैं ये हैं। नाम

है क्रिस्टालिना जॉर्जीवा, जो अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की प्रबंध निदेशक हैं। G20 समिट की अहम बैठक में शामिल होने आई हैं। उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो संबलपुरी लोक नृत्य को के स्टेप्स को कॉपी करती दिख रही हैं।

इटालियन प्रधानमंत्री हैं जॉर्जिया मेलोनी। इनकी वॉक और अपीयरेंस सुर्खियों में हैं। 146 साल की हैं पूर्व पत्रकार और अपने देश की पहली महिला पीएम भी। पहले भी भारत आ चुकी हैं और जब भी आई हैं अपने व्यक्तित्व की अमिट छाप भारतीयों के दिलों में छोड़ गई हैं।

सौम्य सी यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष हैं उर्सुला वॉन डेर लेयेन। 64 साल की स्मार्ट महिला G20 को लेकर कितनी आशान्वित हैं ये उनके सोशल मीडिया पोस्ट से जाहिर होता है। जिसमें उन्होंने लिखा है कि पीएम मोदी की अगुवाई में दिल्ली समिट अहम है।

स्पेन की उप राष्ट्रपति नादिया भी अपनी प्रेजेंस से सबको Wow कहने पर मजबूर कर देती हैं। स्पैनिश प्रेसिडेंट कोविड की वजह से नहीं आ पाए

हैं तो उनकी जगह उपराष्ट्रपति नादिया कैल्विनो आई हैं। 54 साल की कैल्विनो स्पेन की पहली महिला उप राष्ट्रपति हैं।

नारी शक्ति पर जोर

भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने सम्मेलन से एक दिन पहले ही आधिकारिक बयान दिया। कहा - भारत की अध्यक्षता में छह मुद्दों पर प्रमुखता से जोर दिया गया है जिनमें एक 'महिलाओं के नेतृत्व में विकास' रहा है। उन्होंने कहा कि आधी आबादी को निर्णय प्रक्रिया और विकास प्रक्रिया पर शामिल करने के लिए विचार विमर्श किया गया है। भारत का मानना है कि इसका वैश्विक विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

इटालियन प्रधानमंत्री हैं जॉर्जिया मेलोनी। इनकी वॉक और अपीयरेंस सुर्खियों में हैं। 146 साल की हैं पूर्व पत्रकार और अपने देश की पहली महिला पीएम भी। पहले भी भारत आ चुकी हैं और जब भी आई हैं अपने व्यक्तित्व की अमिट छाप भारतीयों के दिलों में छोड़ गई हैं।

सौम्य सी यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष हैं उर्सुला

वॉन डेर लेयेन। 64 साल की स्मार्ट महिला G20 को लेकर कितनी आशान्वित हैं ये उनके सोशल मीडिया पोस्ट से जाहिर होता है। जिसमें उन्होंने लिखा है कि पीएम मोदी की अगुवाई में दिल्ली समिट अहम है।

स्पेन की उप राष्ट्रपति नादिया भी अपनी प्रेजेंस से सबको Wow कहने पर मजबूर कर देती हैं। स्पैनिश प्रेसिडेंट कोविड की वजह से नहीं आ पाए हैं तो उनकी जगह उपराष्ट्रपति नादिया कैल्विनो आई हैं। 54 साल की कैल्विनो स्पेन की पहली महिला उप राष्ट्रपति हैं।

भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने सम्मेलन से एक दिन पहले ही आधिकारिक बयान दिया। कहा - भारत की अध्यक्षता में छह मुद्दों पर प्रमुखता से जोर दिया गया है जिनमें एक 'महिलाओं के नेतृत्व में विकास' रहा है। उन्होंने कहा कि आधी आबादी को निर्णय प्रक्रिया और विकास प्रक्रिया पर शामिल करने के लिए विचार विमर्श किया गया है। भारत का मानना है कि इसका वैश्विक विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक होती हैं डिप्रेशन की शिकार, 6 तरीके से करें खुद की देखभाल, अवसाद होगा दूर

जीवन में कठिन समय में दुखी होना एक सामान्य सी प्रतिक्रिया है, जो समय के साथ दूर भी हो जाती है। लेकिन, जब बात डिप्रेशन की आती है तो यह आसानी से नहीं जाती और हम निराशा में खोते चले जाते हैं। दरअसल, एक मूड डिसऑर्डर है, जिसका हमारी सेहत पर गंभीर लक्षण दिखते हैं। डिप्रेशन की वजह से दैनिक जीवन भी काफी प्रभावित होता है और आपके सोचने, समझने, खाने, पीने, सोने और काम करने में जैसी गतिविधियों को भी यह प्रभावित करने लगता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ के मुताबिक, पुरुषों की तुलना में महिलाओं में डिप्रेशन के लक्षण अधिक दिखते हैं। इसकी वजह हार्मोनल बदलाव, सोशल फैक्टर या बायोलॉजिकल हो सकता है। ऐसे में हम यहाँ बताते हैं कि महिलाएं किस तरह डिप्रेशन से मिनटों में आराम पा सकती हैं।

डिप्रेशन दूर करने के उपाय

सुबह की सैर जरूरी

हेल्थलाइन के मुताबिक, हो सकता है कि आपको सुबह बिस्तर से उठने का मन ना करे और आप दिनभर बिस्तर में ही रहने का प्लान बनाएं लेकिन डिप्रेशन को दूर करने के लिए जरूरी है कि आप बाहर निकलें और वॉक पर जाएं।

डायरी लिखें

हो सकता है कि आप कहीं खयालों में डूबी हों, लेकिन यह सोच लें और आज का दिन दोबारा लौटने वाला नहीं है। इसलिए रोज का गोल तय करें और डायरी में इसे मेशन करें।

हर दिन एक नया गोल बनाएं और उसे अचीव करने का हर संभव प्रयास करें। आपका डिप्रेशन दूर होगा।

खुद को दें चुनौती

अगर आपको डिप्रेशन आपको किसी काम को ना करने की सलाह दे रहा है तो खुद को चुनौती दें और अपने अंदर की उस आवाज के उल्टा करें। अगर मन में आए कि आज बैठे रहूँ, तो उठें और कोई मुश्किल काम को अंजाम दें।

खुद को पुरस्कृत करें

अगर आप अपना केयर अच्छी तरह कर रही हैं, अपने तय कामों को सही समय पर पूरा कर रही हैं या हाल ही में आपने कुछ अचीव किया है तो खुद के प्रयास को पुरस्कृत भी करें।

रूटीन करें फॉलो

अगर डिप्रेशन के लक्षण आपके डेली रूटीन को प्रभावित कर रहे हैं तो आप अपना रूटीन बनाएं और उसे फॉलो करें। आप एक कागज पर रूटीन लिखें और इसे फ्रिज या दरवाजे पर चिपका दें।

पसंद का काम करें

उन काम को करें जो करना आपको पसंद हो। आप किसी इंस्ट्रुमेंट को बजाएं, गाना गाएं, पेंटिंग करें, हाइकिंग करें या ट्रेवल पर जाएं। उन लोगों से मिलें जिन्हें आप पसंद करते हैं। यह डिप्रेशन के नकारात्मक असर को दूर रखने में मदद करेगा।



G20 सम्मिट: स्पेशल सीपी लॉ एंड ऑर्डर ने लिया सुरक्षा का जायजा, कहा- पुलिस को था इस दिन का लंबे वक्त से इंतजार

परिवहन विशेष न्यूज

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन की वार्ता शुरू हो चुकी है। जिसको लेकर दिल्ली पुलिस ने पूरे दिल्ली में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिया है। वहीं वार्ता में शामिल हुए विदेशी मेहमानों की सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने पूरी दिल्ली और नई दिल्ली जिले को अभेद्य किले में तब्दील कर दिया है। इसी दौरान स्पेशल सीपी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा भी लिया।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन की वार्ता शुरू हो चुकी है। जिसको लेकर दिल्ली पुलिस ने पूरे दिल्ली में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिया है। वहीं, वार्ता में शामिल हुए विदेशी मेहमानों की सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने पूरी और नई दिल्ली जिले को अभेद्य किले में तब्दील कर दिया है।

आज है वो दिन: स्पेशल सीपी लॉ एंड ऑर्डर

जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान पुलिस व्यवस्था के बारे में स्पेशल सीपी लॉ एंड ऑर्डर, देपेंड पाठक ने बताया, दिल्ली पुलिस कई महीनों से तैयारी कर रही थी और आज वह फाइनल दिन है, जिसका हमको इंतजार था। पुलिस काफी सतर्क है... कान्टेबल से लेकर वरिष्ठ अधिकारी तक हम सभी ग्राउंड पर तैनात हैं... हम सतर्कता के साथ अपना काम कर रहे हैं... हमें दिल्ली के नागरिकों से भी सहयोग मिल



रहा है। दिल्ली पुलिस ने एक बार फिर पेशेवर तौर पर काम करने उदाहरण पेश किया है। स्पेशल सीपी लॉ एंड ऑर्डर ने रिंग रोड पर आईपी डिपो के पास में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा भी लिया।

जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान जामा मस्जिद के पास सुरक्षा व्यवस्था के बारे में बताते

हुए विशेष सीपी, कानून और व्यवस्था ने कहा कि इलाके में पुलिस की रणनीतिक और पर्याप्त तैनाती है... स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है... हम इसे बनाए रखना जारी रखेंगे...

सेना के हवाले नई दिल्ली

आज नई दिल्ली जिले की सुरक्षा सेना को सौंप

दी गई है, जिसके बाद से जिले में किसी भी व्यक्ति को एंटी की नहीं मिल रहा है। वहीं, सेना की पायलट गाड़ी में सवार होकर सेना के अधिकारी लगातार सड़कों पर घूम कर बैरिकेड पर तैनात पुलिसकर्मियों और पारा मिलिट्री की कार्यप्रणाली की जांच कर रहे हैं।

दिल्ली-NCR में कई इलाकों में रिमझिम बारिश, कल भी बरसेंगे बदरा; उमश भरी गर्मी से मिली राहत



पूरे दिल्ली-एनसीआर में हवाएं चलती रहीं, जिसके कारण लोगों को उमस भर गर्मी से राहत मिली। इससे पहले शुक्रवार शाम को मौसम ने अचानक करवट ली और कुछ इलाकों में बारिश की बूंदों ने भिगोया था।

नई दिल्ली। बीते कई दिनों से गर्मी से परेशान दिल्ली-एनसीआर वालों को शुक्रवार को बारिश से कुछ राहत मिली। पहले हवाओं ने मौसम को थोड़ा ठीक किया फिर रिमझिम बारिश ने राहत पहुंचाई। मौसम विभाग ने आज और कल भी बारिश की उम्मीद जताई है। शुक्रवार देर रात के बाद दिन में भी कई इलाकों में रिमझिम बारिश हुई। पूरे दिल्ली-एनसीआर में हवाएं चलती रहीं, जिसके कारण लोगों को उमस भर गर्मी से राहत मिली। इससे पहले शुक्रवार शाम को

मौसम ने अचानक करवट ली और कुछ इलाकों में बारिश की बूंदों ने भिगोया था। यही सिलसिला शनिवार को भी जारी रहा। आसमान में काले बादलों व हवाओं के चलने से मौसम जरूर सुहावना हो गया।

इससे पहले दिल्ली में शुक्रवार सुबह से ही तेज धूप व उमस पसीने निकाल रही थी। शाम होते-होते कुछ इलाकों में हल्की बारिश हुई। इससे गर्मी पर कुछ खास असर नहीं पड़ा। अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 36.4 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 26.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुसार 9 व 10 सितंबर को हल्की बारिश का अनुमान है। 14 सितंबर तक के पूर्वानुमान के अनुसार तापमान 36 से 37 डिग्री के बीच रहेगा। अभी उमस व गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। एक महीने से अधिक समय से तेज बारिश नहीं होने के कारण तापमान में बढ़ोतरी दर्ज हो रही है।

G20 सम्मिट : देश की खातिर दायरा देखा न काम, दिल्ली को चमकाकर इन स्थानीय निकायों ने बढ़ाया भारत का मान

परिवहन विशेष न्यूज

जब देश की प्रतिष्ठा की बात होती है तो क्षेत्र की सीमा देखी जाती और न ही काम का बंधन। ऐसा ही उदाहरण कई विभागों ने जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारी के मद्देनजर दिल्ली को चमकाने के दौरान दिया है। उनकी ओर से दिल्ली को विश्वस्तरीय शहर दिखाने के लिए किए गए कार्य को देखकर दिल्ली निवासी व यहां आने-जाने वाले लोग चकित हैं। माना जा रहा है कि सम्मेलन में आ रहे विदेशी मेहमान भी दिल्ली की सुंदरता की तारीफ किए बिना नहीं रह पाएंगे।

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारी के मद्देनजर सबसे अधिक कार्य एनडीएमसी व पीडब्ल्यूडी विभाग ने किया है। हालांकि, एमसीडी व एनएचआई ने भी कार्य किया है। मगर पीडब्ल्यूडी ने अपने इलाके के साथ-साथ दूसरे विभागों के इलाके में कार्य किया। इस संबंध में उसको खास तौर पर जिम्मेदारी दी गई थी। पीडब्ल्यूडी ने आयोजन स्थल के बाहरी इलाके को विकसित देशों के शहरों से भी अच्छे ढंग से सजाया व संवारा है। इसके अलावा उसने दिल्ली गेट व राजघाट के आसपास के इलाके को भी चमकाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। यह इलाके उसके अधीन आते हैं। लिहाजा उसने इन स्थानों पर निर्माण कार्य से लेकर हरियाली करने का भी कार्य किया है।

छावनी बोर्ड में पीडब्ल्यूडी ने किया काम

पीडब्ल्यूडी ने दिल्ली छावनी बोर्ड के इलाके में भी देश की प्रतिष्ठा को चार चांद लगाने के लिए दिल्ली को चमकाने का कार्य किया है। विदेशी मेहमान एयरपोर्ट से बोर्ड के इलाके से बाहर निकलेंगे। इसके अलावा वे कई किमी बोर्ड के इलाके से गुजरने के बाद दिल्ली-जयपुर हाईवे से होते हुए नई दिल्ली में प्रवेश करेंगे। पीडब्ल्यूडी ने यहां एयरपोर्ट से मेहमानों के निकलने वाले गेट के सामने बहुत ही सुंदर पार्क विकसित किया है। दो हिस्सों



में बंटे इस पार्क में उसने 16 फव्वारे लगाए हैं। इसके बाद चौराहे को भी बहुत ही अच्छे ढंग से विकसित किया है।

यहां उसने भारतीय संस्कृति के अनुसार स्वागत करती हुई महिलाओं की प्रतिमाएं लगाए हैं और दिल्ली छावनी में प्रवेश करने वाले मार्ग के दोनों ओर फव्वारे स्थापित किए हैं। इसी तरह उसने दिल्ली-जयपुर हाईवे को दिल्ली रोड से धौलाकुआं तक भी चमकाया है। यहां पर उसने कई जगह आकर्षित मूर्ति व फव्वारे लगाए हैं। पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर 31 मूर्तियां व 90 फव्वारे

स्थापित किए हैं। इसके अलावा 1.65 लाख पौधे लगाए हैं और खूबसूरत लाइट्स लगाई हैं।

एमसीडी ने एनएचआई प्रोजेक्ट चमकाया

एमसीडी ने भी अपने इलाके के साथ-साथ एनएचआई के इलाके में भी कार्य करके दिल्ली को चमकाने का कार्य किया। उसने एयरपोर्ट के पास महिपालपुर में चार मीनार पार्क और छह स्थानों को म्यूजिक ऑर्टिफेक्ट्स, हॉर्टिकल्चर और मूर्तियां लगाकर सजाया है। साथ ही पूरे इलाके को एलइडी लाइट्स से

जगमग किया। वहीं उसने पीडब्ल्यूडी के अधीन राजघाट, दिल्ली गेट, बहादुर शाह जफर मार्ग, आईपी एस्टेट, आईटीपीओ के आसपास के क्षेत्र को प्राचीन भारतीय की कला को दर्शाते वाली कलाकृतियों से सजाया। इसी तरह जनता की सुविधा के लिए सुग्रीम कोर्ट, राजघाट, दिल्ली गेट, बहादुर शाह जफर मार्ग, निजामुद्दीन, हुमायूं मकबरा क्षेत्र के आसपास आठ शौचालय ब्लॉकों का नवीनीकरण किया। मेहमानों से जुड़े इलाके में पेड़-पौधों की देखरेख व सफाई के लिए उसने अपने कर्मचारी भी उपलब्ध कराए हैं।

प्रख्यात भारतीय कवि, अनुवादक और निबंधकार रंजीत होसकोटे ने इस कविता संग्रह का संपादन किया है

कविता संग्रह का लोकार्पण, सफल आयोजन के लिए मंत्र पाठ, ऋग्वेद की पांडुलिपियां भी देख सकेंगे

‘अंडर द सेम स्काई’ शीर्षक से प्रकाशित इस किताब में जी-20 देशों के समूह के 19 सदस्य और 9 आमंत्रित देशों की कविताएं शामिल की गई हैं। भारत से रवींद्रनाथ टैगोर के गीत को इसमें शामिल किया गया है।

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन के बीच साहित्य अकादमी ने जी-20 देशों की कविताओं का संग्रह लॉन्च किया है। ‘अंडर द सेम स्काई’ शीर्षक से प्रकाशित इस किताब में जी-20 देशों के समूह के 19 सदस्य और 9 आमंत्रित देशों की कविताएं शामिल की गई हैं। भारत से रवींद्रनाथ टैगोर के गीत को इसमें शामिल किया गया है। प्रख्यात भारतीय कवि, अनुवादक और निबंधकार रंजीत होसकोटे ने इस कविता संग्रह का संपादन किया है, जिसमें विभिन्न स्थानों, शैलियों, पीढ़ियों और इतिहास से जुड़े 29 कवियों को एक मंच पर लाया गया है। इसमें दुनिया की 17 भाषाओं में कविताएं शामिल हैं। बांग्ला, पुर्तगाली, स्पेनिश, अंग्रेजी, फ्रेंच, चीनी, स्लोवेनियाई, जर्मन, जापानी, कोरियाई, रूसी, अरबी, जिट्सोंगा, तुर्की, बहासा इंडोनेशिया, डच और बहासा मेलायु भाषाओं की

कविताएं अपनी मूल भाषा और अंग्रेजी अनुवाद के साथ शामिल की गई हैं। इसमें जिन कवियों की कविताएं शामिल की गई हैं, वे अपने-अपने देश और वहां की साहित्यिक परंपराओं के दिग्गज हैं। साहित्य अकादमी के सचिव के श्रीनिवासराव ने बताया कि इस पुस्तक में प्रत्येक देश की एक कविता को चुना गया है। भारतीय कवि के रूप में रवींद्रनाथ टैगोर की गीतांजलि पुस्तक से 35 नंबर का गीत लिया गया है।

जी-20 और विश्व शांति के लिए किया मंत्र पाठ

जी-20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन एवं विश्व शांति के लिए प्रमुख दिग्गज जैनाचार्य सुनील सागर महाराज की अगुवाई में महामंत्र नवकार का अखंड जाप किया गया। आचार्य ने कहा कि सम्मेलन के जरिए पूरे विश्व में भारत ने एक अलग पहचान बनाई है। इसकी सफलता से सभी देशों में भारत की शांख बन जाएगी। अखंड जाप 11 सितंबर की सुबह सम्पन्न होगी। इसमें संघ के सभी 51 साधु-साध्वी, संत व श्रावक निरंतर रूप से मंत्र नवकार का जाप कर रहे हैं।

ऋग्वेद की पांडुलिपियां देख सकेंगे मेहमान

जी-20 सम्मेलन में शामिल होने वाले राष्ट्राध्यक्षों को संस्कृति गलियारे में ऋग्वेद की पांडुलिपियां, ब्रिटेन से मैग्नाकार्टा की दुर्लभ प्रति और फ्रांस से मोनालिसा की एक डिजिटल छवि भी देखने को मिलेगी। इस गलियारे में अमेरिका से ‘चार्टर्स ऑफ फ्रीडम’ की सत्यापित मूल प्रतियां, चीन से एक फहुआ डक्कन वाला जार और भारत से पाणिनि की अष्टाध्यायी समेत अन्य कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। भारत मंडपम में संस्कृति मंत्रालय की ओर से संस्कृति गलियारा तैयार किया गया है। दरअसल इस गलियारे के माध्यम से जी-20 डिजिटल संग्रहालय की कल्पना की गई है। भौतिक और डिजिटल परियोजना का अनावरण 11 सितंबर को शिखर सम्मेलन के उद्घाटन मौके पर होगा। भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी 20 की थीम ‘वसुधैव कुटुंबकम्’ है। इसी के तहत दुनिया एक परिवार है, का संदेश दिया जाएगा। इसीलिए इस संस्कृति गलियारे में सभी जी-20 सदस्य देशों और नौ आमंत्रित देशों की सांस्कृतिक वस्तुओं को प्रदर्शित किया जाएगा। कलाकृतियों की प्रदर्शनी भौतिक और डिजिटल प्रारूप में नेताओं की बैठक वाली मंजिल पर होगी। आते-जाते सभी विदेशी

प्रतिनिधि इसी ‘सांस्कृतिक गलियारे’ से होकर गुजरेंगे।

जामा मस्जिद को भी सजाया गया

जी-20 सम्मेलन के लिए नई दिल्ली व अन्य संबंधित इलाकों की तरह विदेशी मेहमानों की मेहमानवाजी के लिए जामा मस्जिद को भी सजाया गया है। जामा मस्जिद व उसके आसपास के इलाके को तिरंगा फूलों और चमकदार छतरियों से आकर्षक बनाया गया है। इसके अलावा यहां पर जी-20 के लोगों और वैनर भी लगाए गए हैं। इन पर भारत की जी-20 अध्यक्षता का जश्न मनाने पर गर्व व्यक्त किया गया है। जी-20 शिखर सम्मेलन में आ रहे कई मेहमानों के जामा मस्जिद आने की संभावना है। सुरक्षाकर्मी भी तैनात किए गए हैं। इसके अलावा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी यहां लगातार दौरा कर रहे हैं। कुछ दिन पहले जामा मस्जिद की मरम्मत की गई थी। मस्जिद का निर्माण मुगल सम्राट शाहजहां के शासनकाल में किया गया था।

विदेशी मेहमानों का उन्हीं की भाषा में स्वागत

विदेशी मेहमानों का स्वागत उनकी भाषा में ही किया जा रहा है। साथ ही, एयरपोर्ट से लेकर

होटल में गर्मजोशी से भारतीय पारंपरिक तरीके से टोपी, तिलक लगाकर अभिनंदन किया जा रहा है। इसका मकसद उन्हें भारत की संस्कृति से रूबरू करवाना है। भारत मंडपम में जी 20 के सदस्य देशों के प्रतिनिधियों और आमंत्रित मेहमानों का हिंदी, अंग्रेजी, जर्मन, फ्रेंच, बांग्ला, स्पेनिश, इंडोनेशिया आदि 16 भाषाओं में स्वागत किया जा रहा है। यह पहला मौका है जब जी-20 के प्रतिनिधियों को इतनी भाषाओं के साथ भारतीय पारंपरिक पद्धति से स्वागत करवाने का मौका मिल रहा है।

मेट्रो सेवा बनी सहूलियत

डीएमआरसी ने यात्रियों से निवेदन किया है कि दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर जाने के लिए मजैटा लाइन का इस्तेमाल कर सकते हैं। एयरपोर्ट लाइन के लिए दिल्ली एयरोसिटी स्टेशन से फीडर बस की सेवा 10 सितंबर तक उपलब्ध नहीं रहेगी। सुग्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पूरी तरह से बंद है। सबसे अधिक परेशानी नई दिल्ली इलाके में रहने वाले लोगों को हुई उन्हें मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने के लिए कोई साधन नहीं मिला। इससे उन्हें पैदल ही रास्ता तय करना पड़ा। गोल मार्केट से आरके आश्रम मेट्रो स्टेशन की ओर पैदल जा

रहे प्रदीप ने बताया कि उन्हें आवश्यक कारणों की वजह से हरियाणा जाना पड़ रहा है। ई-रिक्षा व कैब-ऑटो की सेवा नहीं मिलने से पैदल ही मेट्रो स्टेशन की ओर जा रहे हैं।

गुजराती शैली में लगाए गए फूल

जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान राजधानी की सड़कें और इलाके जहां विदेशी मेहमान अपने प्रवास की यात्रा करेंगे, उन सभी मार्गों के किनारे पेड़ों को गंदे की फूल मालाओं से सुसज्जित किया गया है। यह गुजरात में प्रचलित एक विशिष्ट शैली है। मालाओं का स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार और सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर बदला जा रहा है इन्हें वायु सेना स्टेशन, पालम से एस्प्री मार्ग और राजघाट तक की सड़कों पर स्थित यह पेड़ पर लगाया है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर इन्हें लगाया गया है। इन्हें दिल्ली कैंट बोर्ड द्वारा पालम तकनीकी क्षेत्र (थिमैय्या मार्ग और परेड रोड) के आसपास के लगभग 400 पेड़ों को दो रंगों के गंदे के फूलों की माला से सजाया है। राजघाट के पास किसान घाट क्षेत्र के आसपास पीडब्ल्यूडी द्वारा लगभग 200 पेड़ों और 100 खंभों पर माला लगाई है।

दिल्ली और आस पास के इलाकों में हवा हुई साफ, पहले नंबर पर गाजियाबाद

परिवहन विशेष न्यूज

शनिवार को दिल्ली का प्रदूषण स्तर घटकर 54 सूचकांक तक पहुंच गया, जो लंबे समय के बाद सबसे कम आंकड़ा है। गाजियाबाद सबसे साफ रहा। यहां पर प्रदूषण का स्तर 40 रहा जो सबसे बेहतर स्तर है।

नई दिल्ली। दिल्ली में अनुकूल मौसम और जी 20 शिखर सम्मेलन को लेकर की गई सख्ती के बाद से प्रदूषण का स्तर लगातार सुधर रहा है। शनिवार को दिल्ली का प्रदूषण स्तर घटकर 54 सूचकांक तक पहुंच गया, जो लंबे समय के बाद सबसे कम आंकड़ा है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, शनिवार को दिन में चली मध्यम स्तर की हवाएं और कुछ इलाकों में हुई काफी हल्की बारिश के कारण दिल्ली में प्रदूषण सूचकांक 54 मापा गया। वहीं एनसीआर की बात करें तो गाजियाबाद सबसे साफ रहा। यहां पर प्रदूषण का स्तर 40 रहा जो सबसे बेहतर स्तर है।

इसके अलावा फरीदाबाद में 88, ग्रेटर नोएडा में 76, गुरुग्राम में 85, नोएडा में 64 प्रदूषण सूचकांक दर्ज किया गया है। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के मुताबिक, शनिवार को दिल्ली में हवाओं की दिशा दक्षिण पूर्व से 10 किमी की गति की रही।

रविवार को हवाओं की दिशा बदलकर पूर्व दिशा होने की उम्मीद है। संभावना है कि रविवार को 16 किमी की गति से हवाएं चल सकती हैं। साथ ही दिन में हल्की बारिश की संभावना है जिससे प्रदूषण स्तर में गिरावट का अनुमान है।



यति नरसिंहानंद पर एक और केस दर्ज, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम पर की थी विवादित टिप्पणी

अपने बयानों और काम को लेकर अक्सर खबरों में रहने वाले जुना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद सरस्वती एक बार फिर सुर्खियों में हैं। देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम पर विवादित टिप्पणी करने के लिए उनके खिलाफ गाजियाबाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। गौरतलब है कि इससे पहले भी वह ऐसे कई विवादित बयान दे चुके हैं।



गाजियाबाद। अपने बयानों को लेकर हमेशा विवादों में रहने वाले श्रीपंचदशनाम जुना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद सरस्वती एक बार फिर सुर्खियों में हैं। देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम पर विवादित टिप्पणी करने के लिए उनके खिलाफ गाजियाबाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। दरअसल मथुरा के प्रशांत कुमार गौतम ने गाजियाबाद के थाना वेबसिटी में शिकायत दी थी कि यति नरसिंहानंद ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को देश का सबसे बड़ा गद्दार कहते हुए अमर्यादित टिप्पणी की है। गौरतलब है कि इससे पहले भी वह ऐसे कई विवादित बयान दे चुके हैं।

शराब की ओवर रेट बिक्री पर आबकारी विभाग सख्त, अभियान चलाकर दुकानदारों को दिए निर्देश

नोएडा में शराब की ओवर रेट बिक्री करने वालों के खिलाफ आबकारी विभाग ने अभियान चलाया है। इस अभियान के दौरान नोएडा के साथ ग्रेटर नोएडा की विभिन्न दुकानों पर विभाग की टीम ने पहुंचकर ओवर रेट पर बेची जा रही शराब के रेटों की जांच की। टीम ने दुकानदारों को निर्देश दिया कि निर्धारित रेट पर ही शराब की बिक्री करें नहीं तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेटर नोएडा। जिले में शराब की ओवर रेट बिक्री करने वालों के खिलाफ आबकारी विभाग ने अभियान चलाया है। इस अभियान के दौरान नोएडा के साथ ग्रेटर नोएडा की विभिन्न दुकानों पर विभाग की टीम ने पहुंचकर ओवर रेट पर बेची जा रही शराब के रेटों की जांच की।

रोजाना 300 से ज्यादा लोग हो रहे आवारा कुत्तों का शिकार, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी



परिवहन विशेष न्यूज

विजय नगर में रेबीज से किशोर की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को कुत्ता काटने को लेकर एक एडवाइजरी जारी कर दी है। इस एडवाइजरी में लोगों को सतर्क रहने और सावधानी बरतने की सलाह दी गई है साथ ही रेबीज के प्रारंभिक लक्षण का भी जिक्र किया गया है। अधिकारी ने

एडवाइजरी में क्या करें क्या ना करें जैसे बिंदुओं पर परामर्श दिया गया है।

गाजियाबाद। विजय नगर में रेबीज से किशोर की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को कुत्ता काटने को लेकर एक एडवाइजरी जारी कर दी है। इस एडवाइजरी में लोगों को सतर्क रहने और सावधानी बरतने की सलाह दी गई है साथ ही रेबीज के प्रारंभिक लक्षण का भी जिक्र किया गया है।

सरकारी संस्थाओं को भेजी एडवाइजरी की कॉपी

जिला सर्विलांस अधिकारी आर के गुप्ता की ओर से जारी की गई एडवाइजरी

में क्या करें क्या ना करें जैसे बिंदुओं पर परामर्श दिया गया है। एडवाइजरी की प्रतिलिपि सरकारी विभागों के साथ पार्षद, ग्राम प्रधान, आरडब्ल्यूए, सामाजिक संस्थाओं को भी भेजी गई है।

इस एडवाइजरी का प्रचार करने के लिए सरकारी अस्पतालों के बोर्ड पर भी लगाया जाएगा। पहली बार विभाग कुत्ता काटने के मामलों को लेकर बेहद गंभीर है। इस संबंध में एंटी रेबीज क्लीनिक खोलने की कवायत भी तेज कर दी गई है।

क्या करें, क्या न करें

खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को जागरूक कराया जाएगा कि कुत्ता काटने के बाद हल्दी तेल और मिर्च बिल्कुल न

लगाएं। इससे घाव में संक्रमण होने की पूरी संभावना रहती है। साथ ही किसी झाड़ू-फूंक के चक्कर में बिल्कुल न आए तुरंत जिला चिकित्सालय में जाकर निशुल्क एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाएं।

हर 3 सौ से अधिक लोगों को शिकार बना रहे हैं कुत्ते

बता दें कि जिले में प्रतिदिन 300 से अधिक लोगों को कुत्ते द्वारा काटे जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। कुत्तों के अलावा शहर भर में बंदरों का भी आतंक जारी है। पता चला है कि शहरी क्षेत्र के 62 इलाकों में कुत्तों का सबसे अधिक आतंक है और एक दिन में एक कुत्ता पांच-पांच लोगों को भी काट रहा है।

गजब है GDA! 5 साल में विद्युत निगम को फ्री में ही भेज दी लाखों की सोलर बिजली, अब छूट भी नहीं मिल रही

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) वर्तमान में जो आर्थिक तंगी से जूझ रहा है उसके लिए यहां वर्तमान और पूर्व में तैनात रहे अधिकारी जिम्मेदार हैं। साल 2018 में जीडीए ने करोड़ों रुपये खर्च कर जीडीए की छत पर 75 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया था। आमतौर पर 10-12 हजार यूनिट बिजली प्रतिमाह इस सोलर पैनल से बन रही है जो सीधे निगम को पिछले पांच साल से जा रही है।

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) वर्तमान में जो आर्थिक तंगी से जूझ रहा है उसके लिए यहां वर्तमान और पूर्व में तैनात रहे अधिकारी जिम्मेदार हैं। साल 2018 में जीडीए ने करोड़ों रुपये खर्च कर जीडीए की छत पर 75 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया था।

सोलर पैनल से कितनी बिजली जा रही है इसका मीटर भी लगा है। आमतौर पर 10-12 हजार यूनिट बिजली प्रतिमाह इस सोलर पैनल से बन रही है जो सीधे विद्युत निगम को पिछले पांच साल से जा रही है, लेकिन विद्युत निगम बिजली लेने के बाद भी जीडीए के बिजली के बिल में कोई कटौती नहीं कर रहा है।

मजे की बात यह है कि करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी सोलर पैनल से बनने वाली बिजली को जीडीए के बिल में कटौती कराने की जहमत किसी ने नहीं उठाई। विद्युत निगम भी फ्री में बिजली लेता रहा। अधिकारियों के मुताबिक, करीब पांच साल में जीडीए 50-55 लाख रुपये की बिजली विद्युत निगम को सोलर पैनल के जरिए दे चुका है।



पत्नी की हत्या कर फरार हुआ पति, मामला दर्ज कर जांच जुटी पुलिस



साहिबाबाद के शालीमार गार्डन थाना इलाके में स्थित गणेशपुरी एक ब्लॉक में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर फरार हो गया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि गणेशपुरी ए ब्लॉक से एक व्यक्ति द्वारा अपनी पत्नी की हत्या कर फरार होने की सूचना प्राप्त हुई थी।

गाजियाबाद। साहिबाबाद के शालीमार गार्डन थाना इलाके में स्थित गणेशपुरी एक ब्लॉक में एक व्यक्ति ने धारदार हथियार से पत्नी की हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि गणेशपुरी ए ब्लॉक से एक व्यक्ति द्वारा अपनी पत्नी की हत्या कर फरार होने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर जांच के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वह रिक्शा चलाता है। शनिवार दोपहर पति-पत्नी अपने कमरे में थे तभी रिश्तेदार की बेटी उनके घर पहुंची तो पूनम चारपाई पर पड़ी थी। बच्ची के कई बार जगने पर महिला नहीं जगी तो बच्ची ने अपने घर पहुंचकर इस बारे में बताया इसके बाद रिश्तेदार ने मौके पर पहुंचकर देखा तो सीमा का शव खून से लथपथ पड़ा था।

शराब पीता है आरोपित: पुलिस

सहायक पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन सूर्यबली मौयं ने बताया कि फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया है। आरोपित की तलाश के लिए दो टीम में लगाई गई है। हत्या के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपित शराब पीता था।

दिल्ली की महिला का ग्रेटर नोएडा में कत्ल, मेट्रो स्टेशन के पास मिला शव; गले पर चाकू से किए कई वार



नॉलेज पार्क कोतवाली क्षेत्र स्थित सेक्टर 148 मेट्रो स्टेशन के समीप दिल्ली की रहने वाली महिला का शव मिला है। महिला की हत्या कर शव को ठिकाने लगाने के मकसद से मेट्रो स्टेशन के समीप फेंका गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महिला की पहचान पिंकी के रूप में हुई है।

ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क कोतवाली क्षेत्र स्थित सेक्टर 148 मेट्रो स्टेशन के समीप दिल्ली की रहने वाली महिला का शव मिला है। महिला की हत्या कर शव को ठिकाने लगाने के मकसद से मेट्रो स्टेशन के समीप फेंका गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

महिला की पहचान पिंकी के रूप में हुई है। महिला के शव पर कई जगह चोट के निशान मिले हैं। पुलिस ने मेट्रो स्टेशन के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली है। पुलिस का दावा है जल्द ही घटना का पर्दाफाश किया जाएगा।

शुक्रवार से गायब थी पिंकी

दिल्ली के मदनगिर पुष्पा भवन गुरुद्वारा के समीप संजय रहते हैं। उनकी पत्नी पिंकी का शव ग्रेटर नोएडा में मिला है। पिंकी शुक्रवार दोपहर से घर से गायब थी। शनिवार सुबह पिंकी के पति ने पत्नी के गायब होने के संबंध में दिल्ली के अंबेडकर नगर साउथ दिल्ली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

शनिवार शाम पिंकी का शव ग्रेटर नोएडा के नालेज पार्क क्षेत्र में मिला है। पुलिस को अब तक की जांच में पता चला है कि पिंकी किसी व्यक्ति के संपर्क में थी। हालांकि, यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वह व्यक्ति कौन है जिसके संपर्क में पिंकी थी।

कार से लाया गया ग्रेटर नोएडा

अब तक की जांच में पता चला है कि पिंकी को कार से ग्रेटर नोएडा लाया गया। पुलिस ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी खंगाली है। ब्लाईंड मर्डर केस का पर्दाफाश करना पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है।

गर्दन पर चाकू से किया गया वार

महिला की गर्दन पर चाकू से चार से पांच वार किए गए हैं। अधिक खून बह जाने की वजह से उसकी मौत हो गई। यदि समय पर महिला को अस्पताल पहुंचा दिया जाता तो उसकी जान बच सकती थी। ऐसे में आशंका है कि उस पर हमला शुक्रवार शाम ही किया गया हो और शव शनिवार को मिला है।

राहगीरों ने महिला का शव पड़ोने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की है। मागले की सूचना दिल्ली पुलिस को भी दे दी गई है। जांच की जा रही है।

- अशोक कुमार शर्मा, एडिशनल डीसीपी ग्रेटर नोएडा

इन इलेक्ट्रिक व्हीकल्स ने ईवी सेगमेंट को बढ़ाने में दिया अहम योगदान

World EV Day 2023 टाटा नेक्सॉन ईवी फेसलिफ्ट 14 सितंबर 2023 को लॉन्च होने को तैयार है। टाटा मोटर्स ने मौजूदा प्राइम और मैक्स वेरिएंट का नाम बदलकर मीडियम रेंज (एमआर) और लॉन्ग रेंज (एलआर) कर दिया गया है। अब वेरिएंट की बात करें तो टाटा नेक्सॉन ईवी फेसलिफ्ट में Creative+ Fearless Fearless+ Fearless+ S Empowered and Empowered+ वेरिएंट मिलता है।

नई दिल्ली: देश से कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए और पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों से छुटकारा पाने के लिए ज्यादातर लोग इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर रुख कर रहे हैं। अधिकतर वाहन निर्माता अब अपनी डीजल गाड़ियां बंद करके इसके इलेक्ट्रिक मॉडल्स को पेश कर रहे हैं। भारत में ऐसे कई मॉडल्स मौजूद हैं जिनके कंभशन इंजन के साथ ही इसके इलेक्ट्रिक इंजन को भी खूब पसंद किया जाता है। इसलिए आज वर्ल्ड ईवी डे (World EV Day) पर हम आपको कुछ ऐसे मॉडल्स के बारे में बताएंगे जिन्होंने बाजार में आते हैं धूम मचा दी और सबसे ज्यादा लोगों द्वारा पसंद की गई हैं।

Tata Nexon EV
Tata Nexon EV टाटा की सबसे थरोसेमंद इलेक्ट्रिक कार है। यही वजह है कि कंपनी इस महीने इसका फेसलिफ्ट लॉन्च करने को तैयार है। टाटा नेक्सॉन ईवी फेसलिफ्ट 14 सितंबर 2023 को लॉन्च होने को तैयार है। टाटा मोटर्स ने मौजूदा प्राइम और मैक्स वेरिएंट का नाम बदलकर मीडियम रेंज (एमआर) और लॉन्ग रेंज (एलआर) कर दिया गया है। अब वेरिएंट की बात करें तो टाटा नेक्सॉन ईवी फेसलिफ्ट में Creative+, Fearless, Fearless+, Fearless+ S, Empowered and Empowered+ वेरिएंट मिलता है।



MG ZS EV
किफायती रेंज में आने वाली MG ZS EV ने भी भारत के बहुत से ग्राहकों को अपने फीचर्स का दीवाना बनाया। अगस्त में यह सबसे ज्यादा बिक्री होने वाली दूसरी इलेक्ट्रिक कार थी। 44.5 से 50.3 kWh के बैटरी पैक के साथ इस इलेक्ट्रिक कार में 419 to 461 किलोमीटर का ड्राइविंग रेंज मिलता है। वहीं, इस कार को 16 घंटों में फुल चार्ज किया जा सकता है।

Ola Electric Scooter
जब कभी भी हम इलेक्ट्रिक वाहनों की बात करते हैं खासकर इलेक्ट्रिक स्कूटरों की तो मन में सबसे पहले Ola Electric का नाम आता है। इलेक्ट्रिक स्कूटरों सेगमेंट में तहलका मचाने वाले इस स्कूटर को 15 अगस्त 2021 को सबसे पहले लॉन्च किया गया था। अब बात काफी आगे बढ़ गई है। वर्तमान में ओला देश में सबसे अधिक इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचने वाली कंपनी में टॉप पर तो है ही साथ ही साथ इन 2 सालों में ओला के पास 80 हजार रुपये से लेकर 1 लाख 30 हजार रुपये तक की स्कूटर्स की पोर्टफोलियो मिल जाएगी।

Hero Electric
हीरो इलेक्ट्रिक स्कूटर की डिमांड देश में तेजी से बढ़ रही है। हीरो इलेक्ट्रिक की वर्तमान में कई इलेक्ट्रिक स्कूटर्स भारतीय सड़कों पर मौजूद हैं। कंपनी ने ऑप्टिमा CX5.0 (डुअल-बैटरी), ऑप्टिमा CX2.0 (सिंगल बैटरी), और NYX CX5.0 (डुअल-बैटरी) नाम से कुल तीन नए प्रोडक्ट का खुलासा किया है। तीनों इलेक्ट्रिक स्कूटर जापानी टेक्नोलॉजी के साथ कई एडवांस फीचर्स से लैस हैं, जिसमें German ECU technology शामिल है।

Ather Electric
एथर एनर्जी ने हाल ही में अपनी सबसे किफायती इलेक्ट्रिक स्कूटर एथर 450एस को 1 लाख 30 हजार रुपये में लॉन्च किया था। टॉप 5 इलेक्ट्रिक स्कूटर्स सेल्स की लिस्ट में इस इलेक्ट्रिक स्कूटर का नाम शामिल है। एथर इलेक्ट्रिक स्कूटर को देश में सबसे अधिक प्रीमियम माना जाता है।



टाटा ईवी का खेल खत्म करने महिंद्रा ला रही ये फ्यूचरिस्टिक ईवी, धांसू फीचर्स के साथ ताबड़तोड़ होगी रेंज

नई दिल्ली: देश में एसयूवी के मामले में धांसू कार कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा अपने बड़े प्लान पर काम कर रही है, जिससे ग्राहकों को आने वाले समय में एक से बढ़क एक ईवी मिलने वाली है। कंपनी ने हाल ही में एक इवेंट में अपने नए प्लान का खुलासा किया था, जिसमें ग्राहकों के लिए स्कॉर्पियो, बोलेरो और थार के अलावा XUV.e (XUV.e8 और XUV.e9) और BE (BE.05, BE.07, और BE.09) कई ईवी को लॉन्च करने की बात कही है। जिसमें से सबसे पहले कंपनी XUV.e8 को बाजार में लाएगी।

कंपनी के इस प्लान से टाटा मोटर्स की नींदें की उड़ गई हैं। महिंद्रा कंपनी ग्लोबल स्तर पर कई ईवी को ला रही है। जिसे भारतीय बाजार में लॉन्च किया जाना तो बनता है।

वही खबर है कि XUV.e8 कार महिंद्रा XUV700 का इलेक्ट्रिक मॉडल होगी, जिसे दिसंबर 2024 तक बाजार में लाया जा सकता है। जिसकी टेस्टिंग चल रही है और इसे अगले साल लॉन्च किया जा सकता है। मार्केट में एक बार लॉन्च होने के बाद में XUV.e8 का मुकाबला टाटा की सफारी ईवी से होगा।

Mahindra XUV.e8 में बैटरी पैक और रेंज

कंपनी Mahindra XUV.e8 में एक बड़ा बैटरी पैक देने वाली है, जिससे ये सिंगल चार्ज पर 430 से 450km तक चलाया जा सकता है। इतनी क्षमता के साथ ये कार 350bhp की ताकत पैदा करेगी। इस कार में AWD यानी ऑल व्हील ड्राइव का ऑप्शन दिया जाएगा।

Mahindra XUV.e8 कीमत और लॉन्चिंग

वही Mahindra XUV.e8 की कीमत को लेकर कहा जा रहा है कि इसे 21 से 30 लाख रुपये की एक्सशोरूम कीमत पर लॉन्च किया जा सकता है। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं आई है।

कंपनी अपने पहले गजब की ईवी को 2024 तक लॉन्च कर सकती है। भारतीय बाजार में Mahindra XUV.e8 लॉन्च होने के बाद में इसका मुकाबला टाटा की सफारी ईवी और MG ZS EV से हो सकता है।



स्टालिन का बयान और विपक्ष की स्थिति



योगेंद्र योगी



कहा कि वे उदयनिधि के बयान से सहमत नहीं हैं। सीपूम ममता को उदयनिधि को इस तरह के बयान से बचने की सलाह देते हुए कहा कि मैं तमिलनाडु के लोगों का बहुत सम्मान करती हूँ, लेकिन उनसे मेरा विनम्र अनुरोध है कि हर धर्म की अपनी अलग-अलग भावनाएँ होती हैं। हमने ऐसे किसी भी मामले में शामिल नहीं होना चाहिए जिससे किसी भी वर्ग को ठेस पहुँचे। इस मुद्दे पर सबसे ज्यादा फजीहत काँग्रेस की हो रही है। काँग्रेस की समझ में ही नहीं आ रहा है कि इस मामले से कैसे निपटा जाए। यदि काँग्रेस स्टािलन के बयान का विरोध करती है तो इससे विपक्षी एकता की दराव बढ़ने का खतरा है, जिससे नहीं करने की सूरत में भाजपा के तीखे हमलों से बचाव करना आसान नहीं है, जिसका असर सीपुला वोट बैंक पर पड़ेगा। काँग्रेस में इस मुद्दे पर नेताओं ने अलग-अलग राय जाहिर की है। पार्टी सांसद कांति चिंदबरम ने कहा कि वह डीएमके के मंत्री के बयान का पूरी तरह से समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि उदयनिधि स्टािलन ने अपने भाषण में बस इतना कहा कि जातिवादी समाज को खत्म किया जाना चाहिए। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि कोई भी धर्म जो समान अधिकार नहीं देता है या आपके साथ इनसानों जैसा व्यवहार नहीं करता है, वह बीमारी के समान है। इसके विपरीत काँग्रेस के संयोजन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हमारा रुख स्पष्ट है। सर्वधर्म समभाव काँग्रेस की विचारधारा है, लेकिन आपको यह समझना होगा कि हर राजनीतिक दल को अपने विचार रखने की आजादी है। हम हर किसी की आस्थ

का सम्मान करते हैं। वहीं कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री करण सिंह ने स्टालिन के बयान को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण कारा देते हुए कहा कि ये पूरी तरह से अस्वीकार्य बयान है। शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी भी उदयनिधि के बयान की आलोचना करती रहीं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म शाश्वत सिद्धि, जीवन जीने का तरीका, विवेक और अस्तित्व का प्रतीक है। पहले से ही विपक्षी दलों पर घात लगाए बैठे भाजपा को इस मुद्दे ने विपक्षी एकता के विरोध की मशाल के लिए ईंधन मुहैया करवा दिया है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राजस्थान में एक जनसभा में इंडिया गठबंधन के दलों के खिलाफ जमकर प्रहार किया। एक अन्य बयान में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इंडिया गठबंधन के दल डीएमके ने सनातन धर्म पर चोट पहुंचाई और कांग्रेस के लोगों ने चुपकी साध रखी है। उन्होंने गांधी बयान देते हुए कहा कि इस मुद्दे पर सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे क्यों नहीं बोलते कि सनातन धर्म के बारे में उनकी सोच क्या है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का तरह मोदी को लेकर दिए गए विवादास्पद बयान की तरह अब स्टालिन का यह बयान भी कानून के शिकंसे में आ गया है। उदयनिधि स्टालिन और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के बेटे प्रियांक खडगे के खिलाफ उत्तर प्रदेश के रामपुर में एफआईआर दर्ज की गई है। रामपुर की कोतवाली सिविल लाइंस में धार्मिक भावनाएं अहित होने की शिकायत है। भारत की 262 प्रतिष्ठित हस्तियों ने मुख्य न्यायाधीश धनंजय

यशवंत चंद्रयूट को चिट्ठी लिखकर उदयनिधि मामले में स्वतः संज्ञान लेने का अनुरोध किया है। चिट्ठी में लिखा है कि उदयनिधि स्टालिन की ओर से दिए गए नफरत भरे भाषण का स्वतः संज्ञान लिया जाए, जो सांप्रदायिक वैमनस्य और सांप्रदायिक हिंसा को भड़का सकता है। इन हस्तियों में उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और नौकरशाह शामिल हैं। इन तमाम विरोधाभासी बयानों के बावजूद उदयनिधि स्टालिन अपने बयान पर अड़े हुए हैं। इससे देश में नया राजनीतिक विवाद जारी है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों के लिए स्टालिन का यह बयान किसी मुसीबत से कम साबित नहीं हो रहा है। विपक्षी दलों पर विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग राय के कारण मोटे बँक के धुरवीकरण का खतरा पहले से ही मंडरा रहा है। विपक्षी गठबंधन इंडिया कांग्रेस, टीएमसी, आप और वामदलों के आपसी आरोप-प्रत्यारोपों के बीच जैसे-तैसे ऐकता की कवायब में जुटा हुआ है। स्टालिन के इस बयान से इस ऐकता के प्रयासों को झटका लगा है। निश्चित तौर पर देश की बहुसंख्यक आबादी की भावनाओं को प्रभावित करने वाले इस तरह के संवेदनशील बयानों से गठबंधनों की मुसीबतें और बढ़ेंगी। इंडिया के घटक दलों ने यदि इस तरह के बयानों से क्षेत्रीय एगेंडों को मजबूत करने के प्रयास नहीं छोड़े तो ऐकता में दिखाई दे रही दरारों को भरना मुश्किल होगा। इसके बजाय भाजपा के पक्ष में धुरवीकरण हो सकता है। इसलिए विपक्ष को ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जिससे उसे खुद को ही नुकसान हो।

तन्त्रधानी नई दिल्ली 'अभेद्यदुर्ग' बनी है और दुलहन के तिरह सौ शिखी-धजी भी है। भारत के लिए ये ऐतिहासिक क्षण हैं। जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन का शंखनाद आज होना है। लाभग सभी राष्ट्रपुष्प और प्रभानमंत्रों भरके आगन में पहुँच चुके हैं। अमरीकी राष्ट्रपति के तौर पर जोसेफ बाइडेन और ब्रिटिश प्रधानमंत्री के रूप में श्रेष्ठ सुनक पहली बार भारत आए हैं। करीब 10,000 विदेशी मेहमान भारतीय आतिथ्य का आनंद लेंगे। मोटे अनाज के पकवान और मिष्ठान्तों का लुत्फ उठाएंगे। जी-20 महज एक भू-राजनीतिक और आर्थिक विकास का मंच नहीं है। यह ऐसा जी-20 सम्मेलन है, जिससे भारत 'विश्व-निर्णय' की जमात में आ गया है। अब वैश्विक नेताओं के सामने भारत की क्षमता, ताकत और सांस्कृतिक विरासत के अध्ययन खुले हैं। ये आकलन और विश्लेषण कर सकते हैं। भारत ने अपने विदेशी अतिथियों का स्वागत सांस्कृतिक विनम्रता के साथ किया है। हमारे देवी-देवताओं के कल्पना-चित्र, प्राणी-संसार, कलाकृतियाँ, सांस्कृतिक धरोहरें, नृत्य, झरने और सामर्थ्य 'भारत मंडप' के प्रवेश-द्वार पर भगवान नटराज की अद्भुत प्रतिमा की उपस्थिति बेहद कलात्मक लगती है। भारत के रोम-रोम में कला, संस्कृति और संस्कार बसे हैं। नई दिल्ली किसी विशाल बान में बसा शहर लग रही है। जमीन से आसमान तक ऐसे सुरक्षा-धेरे तैनात किए गए हैं, जो 'चक्रव्यूह' का एहसास कराते हैं। हमारे प्रिय अतिथियों को पल भर की बेचैनी, असुरक्षा, असुविधा न हो, विदेशी राजपूत, मिर्जाने सुखी राजकुं विमान, कमदूरी कीमिसाइलें, एंटी डोने सिस्टम, एयर डिफेंस सिस्टम और जासूस हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं। जमीन पर करीब 1.30 लाख पुलिसकर्मी, अद्रुधसैनिक बलों के जवान, सैनिक और कर्मांडो जे के देखाकर लगता है मानो भारत किसी 'युद्धक्षेत्र' में मौजूद है। बरहवाल जी-20 शिखर सम्मेलन से यह प्रभ टूटता दिखाई देगा कि वह सिर्फ बड़ी विषयवस्तुओं को वाले देशों का समूह है, क्योंकि अपनी अर्थ्यता में भारत का

जाग्रद्वैत है कि आर्थिक विकास में पिछड़े 'अफ्रीकी संघ' को भी जी-20 में शामिल किया जाए। विकासित, विकासशील और तीसरी दुनिया के एक साथ, एक मंच पर आने से विकास में समग्रता मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी का विचार और संकल्प है कि अर्थव्यवस्था जीडीपी के बजाय मानव-केंद्रित होनी चाहिए, तभी वैश्विक विकास और भाईद्वाने संभव है। अमरीकी राष्ट्रपति बाइडेन ने भारत के संकल्प को ही 'जी-20 का विजन' स्वीकार किया है। वैश्विक राष्ट्रध्यक्ष, प्रधामंत्री और विशेषज्ञ जस एंजेडे भी विकास में करेगे, उसने खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा-संचय और स्वच्छ ऊर्जा, विषय-व्यवस्था, विकास, जलवायु परिवर्तन, महामारी, रोजगार, सल्लाह देना, आतंकवाद, हरित पर्यटन, लोबल साइड, प्रौद्योगिकी हस्तंतरण आदि मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। दरअसल यह एंजेडे भारत को तैयार किया है, जिस पर जी-20 के मंच पर विमर्श किया जाएगा। यह भारत का ही जी-20 है, क्योंकि यह सम्मेलन भारत की चौरतरफ समृद्धि का सत्यापन भी है। यह आकलन भी सामने आया है कि विश्व के दौरान सन् 200 देशों 200 अरब डॉलर के आपसी कारोबार और औद्योगिक समन्वय का लक्ष्य तय करेगे। अतः भी दुनिया का करीब 75 फीसदी व्यापार जी-20 के देश ही करते हैं। भारत का विषय-मंच पर उभार भी बड़ेगा। ताकतवर देशों के साथ हमारी साझेदारी बड़ेगी, जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों भारत को गढ़ बना कर अपने प्लांट शुरू करेगी। उत्पादन यहीं होगा, जो रोजगार भी यहीं बड़ेगा। अमरीका भारत में 6 परमाणु रिएक्टर स्थापित करने और बड़ा है। प्रीडेटर ड्रोन के खरीदने और भारत में ही उसका उत्पादन-केंद्र बनाने की बात अलिकल दौर में है। इसरो और नासा मिलकर रणनीतिक प्रेमवर्क और मिशन तय करेगी। फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी समेत कई और देशों के भारत के साथ काम करने के अपने-अपने लक्ष्य हैं। गौरतलब यह है कि भारत जनवरी, 2024 के 'ग्लोबल टिम्स' के मौके पर अमरीका, जापान, ऑस्ट्रेलिया सरीखे 'क्वाड' के साथी देशों को आमंत्रित करना चाहता है, ताकि चीन को कड़ा संदेश दिया जा सके।

संपादक की कलम से

भारत का जी-20

सीएम ममता ने उदयनिधि को इस तरह के बयान से बचने की सलाह देते हुए कहा कि मैं तमिलनाडु के लोगों का बहुत सम्मान करती हूँ, लेकिन उनसे मेरा विनम्र अनुरोध है कि हर धर्म की अपनी अलग-अलग भावनाएं होती हैं....

चर्चा

आपके स्वागत के लिए

यह नया हिमाचल है जो गिर कर संभलने का दस्तूर जानता है। आपदा के बीच ग्रहण लगी आर्थिक को कंठस्थ बंधाता, उसे पटी पर लाने के लिए हिमाचल सरकार ने फिर से 'बंका हिमाचल' का संश्लेष देना शुरू किया है। सोशल मीडिया पर निकले हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुखु ने बाबादादा पर्यटकों को सीधा राफता कायम करत हुए इस बात की गारंटी दी है कि प्रदेश ने फिर से अपनी खासियत को बरकरार रखते हुए, मनोरंजन की राहों को दुरुस्त किया है। सरकार ने अगले कुछ महीनों के पर्यटन कैलेंडर में कई गतिविधियों का इन्तजाम करे की गनी है। ज़ीना हालात को फिर से रौनक का झंझाबाद करने की थ्यति तब पहुंचे का हिमाचल न केवल अंदरूनी तौर पर सुदृढ़ हो रहा है, बल्कि बाहरी जगत को दावे से कह रहा है कि हम आपके थ्यगत को लिए तैयार हैं। इस बरसात में बहुत खोया है हिमाचल ने और आप पर्यटन तथा पर्यटन के ज़रिए हुए पर्यटन का आकलन करे तो कमाई के पंद्रह सौ करोड़ तो यूँ ही बहाए जबकि इससे जुड़े बाकी सारे अथव्या अपनी-अपनी हाति का सदा लिये संघर्षत है। आपदा के बीच और आपदा के बाद केवल मनोबल ही नहीं, आर्म्चनन और जीने का तसव्वुर सारी राहों को सुनिश्चित करता है। अब मुख्यमंत्री खुद सामने आकर बता रहे है कि प्रदेश अगले पर्यटन के लायक है, तो यह आग बने का ऐसा मील पथर है जिसे सरकार आपना नाम देना चाहती है।

यह एक तरह से पर्यटन को प्रश्रय देने की मुहिम है जो देश को बता रही है कि हिमाचल के लिए अप्रैल-डेसेम्बर तक रहने का अर्थ क्या है, लेकिन प्रदेश के भीतर भी तो पर्यटन को संबोधित करने की जरूरत है। हिमाचल पर्यटन को अपने पार्टनरशिप में होटल मालिकों, टैक्सि व दूधर अपार्टमेंटों, डावा मालिकों तथा पौचो ट्रेवल डेस्टिनी से जुड़े लोगों के लिए एक समन्वित व स्थायी बोर्ड का गठन करना चाहिए, जिसके तहत पूरा इंडस्ट्री के प्रबंधन की एक पद्धति विकसित करने के साथ सहयोग व सामंजस्य की परिपाटी बनानी होगी।

प्रदेश में पांच करोड़ पर्यटकों का नारा हिमाचल के शायद ही भला करेगा, बल्कि तमाम उपलब्ध सुविधाओं के लिए जी का जंजाल बन सकता है। सत्र प्रदर्श में पहले ही बाइस लाख पंजीकृत वाहन निजरा लाखों की परिहहन सेवाओं को पूरा करते हैं, तो पांच करोड़ सैलानियों की मांग में वाहनों की संख्या सात गुना बढ़ जाएगी। यानी वर्तमान बाइस लाख को इसी तुलना में आगे बढ़ाना होगा तो पांच करोड़ पर्यटकों के लिए ही करोड़ों डेढ़ करोड़ वाहन अतिरिक्त रूप से बढ़ जाएंगे। क्या उस स्थिति में हिमाचल अपने राज्य में पंजीकृत वाहनों के अलावा डेढ़ करोड़ वाहनों की पार्किंग का प्रबंध कर पाएगा। हिमाचल को तलाश होनी चाहिए एक ऐसे पर्यटक को जो प्रदेश में ज्यादा व्यय करता हुआ उपलब्ध अधोसंरचना का कम से कम हफ्ता भर उपयोग करे। इस तरह अगर एक करोड़ हाई एंड टूरिस्ट हिमाचल आने के लिए एक हफ्ते का कार्यक्रम बनाएँ तो व्यावहारिक दृष्टि से वह सात करोड़ पर्यटक दिवसों का सृजन करेंगे। इसके अलावा वर्तमान हिमाचल आ रहे पर्यटकों की बढ़ेगें और न बढ़ें तो भी ये दो करोड़ यात्रा सामान्य सुविधाओं से संतुष्ट रहेंगे। हिमाचल को नए पर्यटन की महत्वाकांक्षा में 'सिने पर्यटन' पर तबज्जो देनी होगी। प्रदेश के गहरी-परागपुर में प्रस्तावित गोलफ ग्राउंड से वहाँ बेतलवा होगा, अगर राज्य की पहली फिल्म सिने वहाँ बसा दी जाए।

सत्यपाल वशिष्ठ

लॉकडाउन के दौरान कारोबार बंद होने के कारण कारोबारियों ने आत्महत्या का रास्ता अपनाया। 2021 में 10881 किसानों ने भी आत्महत्या की।

आत्महत्या के प्रति जागरूक करने के लिए दुनिया भर में हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में अवलेपन, अवसाद और आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं। यह समस्या एक महामारी का रूप धारण कर रही है। लोग बहुत सी वजहों से आत्महत्या करते हैं। अगर परिवार पर पेशेवर साहायता मिल जाए या दोस्त, परिवार वाले समय पर मदद करें तो आत्महत्या के मामले कम किए जा सकते हैं। पिछले साल दुनिया में देश लाख लोगों ने आत्महत्या की। हमारे देश में 16433 लोगों ने आत्महत्या करके अपनी जान गंवाई। दुनिया में हर साल 10 लाख लोग आत्महत्या से जान गंवाते हैं, जो युद्ध या अन्य हिंसक घटनाओं से मरने वालों का लगभग 50 फीसदी है। इसीलिए आत्महत्या के प्रति जागरूक करने के लिए दुनिया भर में हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। भारत में अब भी आत्महत्या रोकथाम को लेकर जागरूकता की कमी है और सरकार की तरफ से इस ओर बहुत ध्यान देने की जरूरत है। इस दिवस को मनाना का महत्व यह है कि दुनिया में आत्महत्या की बढ़ती संख्या को रोकने और इसके प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए वर्ष 2003 से ही विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम संघ द्वारा 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर सेकंड कोई न कोई

चिंतन विचार

एक बार मिली जिंदगी में समाज सेवा नहीं की तो कुछ नहीं किया। समाज सेवा जीवन में मरएस और रंग भर देती है। अकेले शायद कभी न की हो, समूह में दूसरी की सेवा करने के लिए तैयार हो जाते हैं। समाज सेवा के अनेक निजी फायदे भी हैं। समाज के जिन मरपसंदे, खरस लोगों से मिलना संभव नहीं हो पाता, सेवा के बहाने उनसे मिल सकते हैं। उनके साथ सेरुकी ले सकते हैं, उनके साथ उठना, बैठना, खाना-पीना हो सकता है। उनकी खूबसूरत सोहबत में सार्वजनिक आर्यजनों में हिस्सा लेने का मौका मिलता है। पाठियां होती हैं। नए आकर्षक वस्त्र खरीदने की प्रेरणा मिलती है। जिंदगी के सभसे यादगार बढिया समूह चित्र समाज सेवा के आंगन में लिखते हैं। स्वाभाविक है सेवा का मेवा अच्छा ही लगता है। प्रसिद्ध कलक की स्थानीय शाखा की नई अरुधक्ष ने पहली बैठक में, सामाजिक प्रभाव बढाने

व्यक्ति खुदकुशी करने की कोशिश करता है और हर 40 सेकंड में कोई न कोई व्यक्ति आत्महत्या करता है। ऐसे में यह दिवस आत्मघाती विचारों से मुकाबला करने, अपनी और दूसरों की सहायता करने, उन्हें इससे बाह निकाल कर इन आंकड़ों को कम करने या खत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

यह कहना मुश्किल है कि कौनसा कारक किसी मनुष्य को आत्महत्या के लिए प्रेरित करता है, परंतु बहुत से कारक हैं जो किसी व्यक्ति को अपनी जीवन लीला को खत्म करने के निर्णय लेने में सहायक हैं, जैसे कि कुछ घटनाओं और परिस्थितियों में जोखिम बढ़ सकता है, पिछले आत्महत्या के प्रयास, परिवार के आत्महत्या का इतिहास, नशीले पदार्थों का सेवन, मनोविकार घटक, साधनों तक पहुंच (जैसे हथियार या धारदार वस्त्र), नुकसान और अन्य घटनाएँ, किसी रिश्ते का टूटना या मृत्यु, रोशनीका निपटलाएँ, कानूनी मसले, वित्तीय कठिनाइयों, किसी के द्वारा तंग करना, दुष्टव्यहार व शारीरिक बीमारी आदि । आत्महत्या की चेतावनी देने वाले संकेत, जो व्यक्ति आत्महत्या से पहले देता है, उनको पहचान कर समय पर पेशेवर की सहायता लेकर आत्महत्या को रोकना जा सकता है । ये संकेत हैं: अक्षम मौत (मरने या आत्महत्या करने के बारे में बात करना या लिखना, निराशाजनक), ऐसा है या बेकार होने के बारे में टिप्पणी करना, जौने का कोई उद्देश्य न होने की अव्यक्तिता जैसे जीवन में उदरेश्य न होने की भावना, मैं यहां नहीं होता तो बेहतर होता या मैं इन सबसे दूर जाना चाहता हूँ जैसे बातें करना, शराब और नशीली दवाओं के सेवन में वृद्धि, मित्रों, परिवार और समुदाय से अलग, मनोदश में नाटकीय परिवर्तन, दूसरा पर बोझ होने की बात करना आदि । आत्महत्या से

तो बहुत जरूरी उन्नतिशील बातों की। उन्होंने कहा, मिथिला टीम से ज्यादा काम करके दिखाएंगे। गरीबों और जरूरतमंदों को उनसे ज्यादा फल, दुध, दही, खाना व कपड़े उपलब्ध कराएंगे। नए सवारी लाया है, हमारी टीम नई है, नए सदस्य जुड़े हैं। सब तसाह है, इसलिए हमने नई टीम भावना के साथ काम करना है। बहुत दिनों से हम सब नए सवत्र नहीं खरीद पाए होंगे, अब जरूर खरीद लें और ध्यान रखें कि लीव की किसी भी बैठक में कोई सदस्य पुराने सवत्र पहनकर न आए।

राने जो भी वस्त्र जरूरतमंदों को दिए जा सकते हैं। कट्टे कर लिए जाएं, उन्हें हम शहर में नेकी का संसार बनावार बनाकर उस पर टांग देंगे। नए वस्त्र और हेययल टायल ऐसे होने चाहिए जो हमारे व्यक्तित्व को गेटोजेनिक बनाने में मदद करें। हमारी सभी गेटोजेनिक बहुत सुंदर होनी चाहिए। हमारे क्लब के

किसी भी समस्या का समाधान नहीं है आत्महत्या



रोकथाम की जा सकती है और इसमें परिवार तथा दोस्तों की भूमिका बहुत अहम होती है। अगर ऊपर दिए गए संकेत कोई अपने परिवारजन या दोस्त में देखें तो जितना जल्दी संकेत उतनी जल्दी मदद करें। कोई सदस्य अगर आत्महत्या की योजना बना रहा है तो यह अच्छी तरीका है कि आप उससे समस्या के बारे में पूछ लें तथा बताएं कि हम आपको बहुत परवाह करते हैं।

इससे वह आत्महत्या करने का साहस नहीं करते। आत्महत्या करने वाले को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का अवसर मिलने अकेलापन और दबी हुई नकारात्मक भावनाओं से राहत मिल सकती है और आत्महत्या के प्रयास को रोका जा सकता है। अगर किसी

व्यक्ति के आत्महत्या करने के संकेत मिलें तो अन्य संभावित घटक वस्तुतः न रखें तथा उसे अकेला न छोड़ें। आत्महत्या का हल्का-फुल्का विचार आने पर परिवार और मित्रों की सहायता से व्यक्ति ठीक हो सकता है, लेकिन गंभीर स्थिति में पेशेवर मनोचिकित्सक की सहायता लेना अनिवार्य हो जाता है। जितना जल्दी हो सके उस व्यक्ति को डॉक्टर के पास ले जाएँ और उसके अनुसार उपचार करें। मनोरोग विशेषज्ञ दो प्रकार के होते हैं। एक, जो दवाई देकर ऐसे विचारों को प्रभावित करने का प्रयास करेगा है और दूसरे परामर्श के जरिए जीवन शैली और विचारों में बदलाव करने में मदद करेगा है। आत्महत्या करने वाले व्यक्ति को

समाज सेवा का फायदा



सभी आयोजनों में सभी चुस्त दिखें, इसके लिए स
अपना स्वास्थ्य ठीक रखें। रोजाना सैर और व्याय
करें। हमारे क्लब की मीटिंग्स और पार्टीज़ ज्य
हुआ करेंगी, इसलिए आप अपने बच्चों को ट्रेड क
ताकिक वे घर के बुजुर्गों के साथ या बाई के पास आर
से रह सकें क्योंकि कार्यक्रम में बच्चे आ जाएं तो स

परेशान होते हैं। विज्ञापन ही आज का प्रबंधन सूत्र है। इसलिए काम हो न हो, दूसरे लोगों के सामने बोलने की चर्चा जरूर करें। हमारे छोटे से छोटे कामों का प्रभाव जबरदस्त होना चाहिए। मान लीजिए, किसी गरीब को आजीविका कमाने के लिए पंद्रह अखबार दें तो उसे भी क्लब का एक इवेंट बना दें।

नीं की आवश्यकता हो सकती है जिससे
संस्कृति स्थिति बेहतर हो सकती है। युवाओं में
मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर बढ़ते ध्यान और
आत्म-की अन्त्य लोगों द्वारा सकारात्मक पर ध्यान
केन्द्रित करने के कारण 2022 में 10 से 24 वर्ष
की आयु के लोगों में आत्महत्या में 8 फीसदी से
अधिक गिरावट आई है। आत्महत्या ने भारत में
युवा महामारी का रूप धारण कर लिया है। भारत
में आत्महत्या के बहुत से कारक हैं, परंतु मुख्य
कारक बेरोजगारी, नशा, ड्रग्स, कारोबारी का
ध्यापार में घाटा, किसानों के ऊपर श्रम का
बाव तथा फसल की बर्बादी, उपभोक्तावाद का
बाव, एकाकी परिवार का प्रचलन तथा
नैतिक आपदा आदि हैं, परंतु आजकल प्यार
की धोखा और युवा बच्चों पर माता-पिता तथा
गैरजिन्स संस्थानों द्वारा पढ़ाई का दबाव मुख्य
कारण हैं।

इस संदर्भ में कोटोय ने अब तक 23 कोटमहत्याएं हो चुकी हैं। कोरूना महामारी के कोपकाल का असर वैसे तो सभी क्षेत्रों पर पड़ा, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि देश के कोरोबारी सप्ते सर्वाधिक शिकार हुए हैं। लॉकडाउन के चलते कोरोबार बंद होने के कारण वित्तीय कठिने के कारण कोरोबारियों ने आत्महत्या का रास्ता अपनाया। आर्थिक राष्ट्रीय अपराध कार्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार 2020 में 1716 और 2021 में 12015 कोरोबारियों ने आत्महत्या की। 12021 में 10881 किसानों ने आत्महत्या की। भारत में औरतों से ज्यादा पुरुष कोरोबारी कर रहे हैं, जिसमें विवाहित पुरुष अधिक हैं। इनमें पारिवारिक समस्याएं, सहैत संबंधी तथा आपदा संबंधित समस्याएं हैं।

014 में 89129 पुरुषों ने आत्महत्या की और स्त्री समग्र में 42521 औरतों ने आत्महत्या की, 021 में 118979 पुरुष तथा 45026 औरतों ने आत्महत्या की।

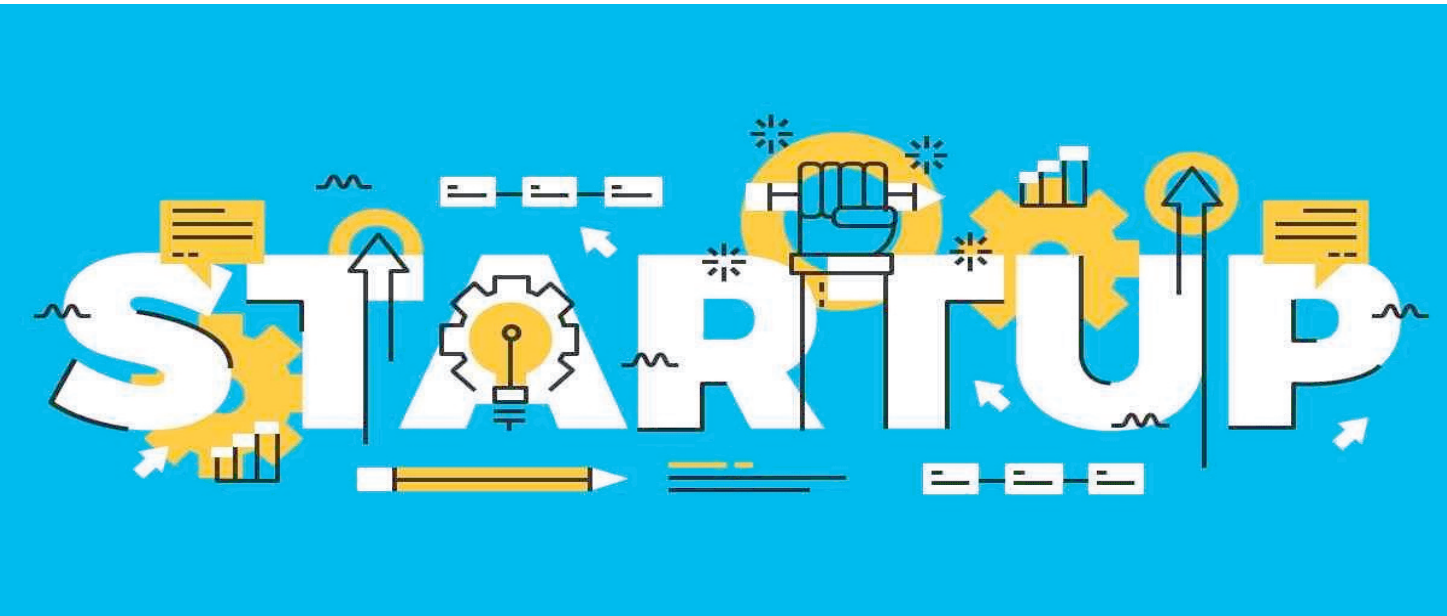
जाए। लुभावनी बैकग्राउंड के सामने थ्रूप में खड़े होकर, अखबार, गिफ्ट पेपर में पैक कर देते चाहिए। अखबारों और सोशल मीडिया पर फोटो जरूर आनी चाहिए। जान पड़चान के ज़्यादा से ज़्यादा लोगों से आग्रह करें कि ख़ुब लाइक और शेयर करें। जरूरी है कि सभी सदस्यों, प्रेस वालों से बेहतर रिश्ते बनाए। अगर ऐसा करे तो हमारी फोटो के नीचे छापना, शहर के प्रसिद्ध ज़लब के सदस्यों ने अपनी बैठक में समाज कल्याण से जुड़े अनेक मुद्दों पर चर्चा भी की। अब वक्तव्य के बाद नए अप्रश्न के ओजस्व, प्रतिनिशील विचारों को ख़ुब तालियाँ मिलीं। अब सभी को भूख लग रही थी, तभी महत्वपूर्ण सूचना दी गई कि खाना लग चुका है। अलग-अलग किस्म का स्वादिष्ट खाना किसे अच्छा नहीं लगता। बैठक संपन्ना हो चुकी थी।

प्रभात कुमार

स्टार्टअप में निवेश करने वालों को इनकम टैक्स से नोटिस, स्टार्टअप कंपनियों से मांगी निवेशकों की जानकारी

आयकर विभाग ने आज कई स्टार्टअप्स को नोटिस भेजकर अपने निवेशकों के बारे में जानकारी देने को कहा है। दरअसल इनकम टैक्स विभाग इन निवेशकों की विश्वसनीयता को परखना चाहता है। इसके अलावा आयकर विभाग यह भी जांचना चाहता है कि निवेश की गई राशि निवेशकों द्वारा घोषित आय से मेल खाती है या नहीं। पढ़िए क्या है पूरा मामला।

नई दिल्ली: भारत में लगभग हर सेक्टर में तेजी से बढ़ते भरोसेमंद स्टार्टअप में निवेशक जमकर पैसा निवेश कर रहे हैं। अब इन्हीं निवेशकों पर आयकर विभाग की नजर टिक गई है। आयकर विभाग ने आज कुछ स्टार्टअप्स को नोटिस भेजकर उनके निवेशकों के बारे में जानकारी मांगी है। **क्या पता करना चाहता है आयकर विभाग?** दरअसल आयकर विभाग इन निवेशकों की साख़ चेक करना चाहते हैं। इसके अलावा आयकर विभाग यह भी वरिफ़ाई करना चाहता है कि निवेश की गई राशि निवेशकों



द्वारा घोषित आय के अनुरूप है या नहीं। आयकर विभाग ने भारत-पे (Bharat Pe) के को फाउंडर और पूर्व एमडी अशनीर ग़ोवर के एक सोशल मीडिया पोस्ट का जवाब देते हुए कहा कि कानून के तहत, निवेशकों की पहचान और साख़ के साथ-साथ लेनदेन की वास्तविकता प्रदान करने की जिम्मेदारी कंपनी की है। **अशनीर ग़ोवर ने X (ट्विटर) पर पूछा था सवाल**

आपको बता दें कि अशनीर ग़ोवर ने X (ट्विटर) पर 8 सितंबर यानी कल ट्वीट करते हुए लिखा कि पिछले एक महीने में, कई स्टार्टअप्स को आयकर नोटिस प्राप्त हुए हैं, जिसमें शेयरधारकों के बारे में जानकारी देने को कहा गया है। अशनीर ने बताया कि इनमें से कुछ स्टार्टअप्स उनके पोर्टफोलियो में भी है। उन्होंने कहा कि यह काफी इंटरेस्टिंग है कि आयकर विभाग स्टार्ट-अप कंपनियों से

सभी शेयरधारकों का 3 साल का आईटीआर प्रस्तुत करने के लिए कह रहा है। अशनीर ने सवाल पूछा कि स्टार्टअप के पास शेयरधारकों का आईटीआर कैसे और क्यों होगा। एक शेयरधारक/व्यक्ति अपना आईटीआर किसी निजी कंपनी के साथ क्यों साझा करेगा? ग़ोवर ने केंद्रीय वित्त मंत्रालय से इस पर गौर करने को कहा है।

आयकर विभाग ने दिया जवाब अशनीर ग़ोवर के ट्वीट के जवाब में आयकर विभाग ने लिखा कि आयकर अधिनियम, 1961 (अधिनियम) की धारा 68 जिसके तहत मूल्यांकन अधिकारी (एओ) ने शेयरधारक/निवेशक की साख़ के बारे में पूछताछ की है, निर्धारित-कंपनी को निवेशकों की पहचान, निवेशक की साख़ और लेनदेन की वास्तविकता को साबित करना होगा।

बैंक में बदलने जा रहे हैं 2,000 रुपये का नोट, इन बातों का रखें ध्यान

2000 रुपये के नोट को सर्कुलर से वापस करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आरबीआई ने मई में इसका ऐलान किया था। 2000 रुपये के नोट को एक्सचेंज या डिपॉजिट करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर 2023 है। इस तारीख तक सभी को 2000 रुपये के नोट बैंकों में जमा कर देना चाहिए। RBI ने इसके लिए दिशा-निर्देश भी जारी किये हैं।

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 19 मई 2023 को 2,000 रुपये के नोट को वापस सर्कुलर में लेने का ऐलान किया था। इस ऐलान के बाद लोगों को नोट एक्सचेंज करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर 2023 तय की गई थी। 30 सितंबर से पहले तक 2,000 रुपये का नोट वैध रूप से काम करेगा। आम जनता को 30 सितंबर 2023 तक बैंक में नोट एक्सचेंज या फिर डिपॉजिट कर देना चाहिए। 2,000 रुपये का नोट बैंक और आरबीआई के कार्यालय में जाकर बदलवा सकते हैं। नोट को

एक्सचेंज करने का प्रोसेस अलग है। आरबीआई ने इसके लिए दिशा निर्देश भी जारी किये हैं। बैंक इन्हीं दिशा-निर्देश का पालन करेंगे। ऐसे में अगर आप भी 2,000 रुपये के नोट एक्सचेंज करने जाते हैं तो आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। **सतर्क रहें** आप जब भी नोट एक्सचेंज करने के लिए बैंक या फिर पोस्ट ऑफिस जाते हैं तो आपको अपना आईडी प्रूफ की फोटोकॉपी दिखानी होती है। आपको हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि आपके आईडी-प्रूफ की फोटोकॉपी का कोई भी गलत उपयोग ना करें। अगर कोई आपकी आईडी-प्रूफ का गलत इस्तेमाल करता है तो यह आपको कई तरह से नुकसान पहुंचा सकता है। **आईडी-प्रूफ** आप हमेशा अपना वैध आईडी-प्रूफ ही शो करें। आप आधार कार्ड (Aadhaar Card), ड्राइविंग लाइसेंस (Driving License), वोटर आईडी-कार्ड (Voter ID), पासपोर्ट (Passport), पैन कार्ड (Pan Card) और सरकार के जरिये जारी कोई और अन्य आईडी-प्रूफ को दिखा सकते हैं। आपको हमेशा फोटोकॉपी ही देनी चाहिए। आप ऑरिजनल डॉक्यूमेंट्स अपने पास रखें।

किसान विकास पत्र: इस सरकारी योजना में पैसा होगा डबल, जानिए अधिकतम कितना कर सकते हैं निवेश



किसान विकास पत्र पोस्ट ऑफिस की छोटी बचत योजना के अंतर्गत आता है। मौजूदा ब्याज दर के मुताबिक किसान विकास पत्र में 115 महीने में पैसा डबल हो रहा है। इसमें निवेश करना पूरी तरह से सुरक्षित होता है। आप कम से कम 1000 रुपये से किसान विकास पत्र में निवेश की शुरुआत कर सकते हैं।

नई दिल्ली। पोस्ट ऑफिस की ओर से कई छोटी बचत योजनाओं (Post Office Small Saving Schemes) को चलाया जाता है। इन योजनाओं में निवेशकों ब्याज भी एफडी के मुकाबले अधिक मिलता है। इन्हीं छोटी बचत योजनाओं के अंतर्गत पोस्ट ऑफिस के द्वारा एक ऐसी स्कीम भी चलाई जाती है, जिसमें पैसा डबल होता है। इस योजना का नाम किसान विकास पत्र

(Kisan Vikas Patra) है। इस योजना को केवीपी (KVP) के नाम से भी जाना जाता है। **KVP में कितने समय में पैसा होगा डबल? (How many years will KVP double in 2023?)** केवीपी पोस्ट ऑफिस की एक ऐसी योजना है, जिसमें लोगों को पैसा डबल करने का मौका मिलता है। मौजूदा समय में इस स्कीम में 115 महीने में पैसा डबल हो रहा है। यानी अगर आप इस स्कीम में एक लाख रुपये का निवेश करेंगे तो अगले 115 महीने पैसा दो लाख हो जाएगा। **KVP पर क्या ब्याज दर? (What is the interest rate on KVP 2023?)** पोस्ट ऑफिस की छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दर सरकार की ओर से तय की जाती है। मौजूदा

समय में किसान विकास पत्र पर 7.5 प्रतिशत की ब्याज दर सरकार द्वारा दी जा रही है। **क्या KVP में पैसा रखना सुरक्षित है? (Is KVP safe to invest)** केवीपी सरकारी बचत योजना है। यह किसी भी तरह से बाजार से लिंक नहीं होती है। अगर आप इसमें निवेश करते हैं तो आपका पैसा पूरी तरह से सुरक्षित रहता है। **KVP में डिपॉजिट करने की क्या सीमा है? (What is the limit of KVP deposit)** केवीपी में डिपॉजिट को लेकर कोई भी सीमा नहीं है। आप अपनी मर्जी के मुताबिक कितना भी निवेश कर सकते हैं। इसमें ज्वॉइंड अकाउंट के जरिए भी निवेश किया जा सकता है। हालांकि, कम से कम 1000 रुपये का निवेश इस योजना में भाग लेने के लिए करना होता है।

NPS का बैलेंस चेक करने का प्रोसेस हुआ आसान अब मैसेज और पोर्टल के अलावा उमंग ऐप से भी पाएं जानकारी

परिवहन विशेष न्यूज

NPS Balance Check हर कोई चाहता है कि रिटायरमेंट के बाद उसकी लाइफ में इनकम के सोर्स जारी रहे। ऐसे में कई लोग नेशनल पेंशन सिस्टम में निवेश करते हैं। इसमें आप रिटायरमेंट के बाद एकमुश्त राशि या फिर पेंशन का लाभ उठा सकते हैं। अगर आप भी इसमें निवेश करते हैं तो आप मैसेज पोर्टल और उमंग ऐप के जरिये बैलेंस स्टेटमेंट चेक कर सकते हैं।

नई दिल्ली। कई लोग अपने रिटायरमेंट को सुरक्षित करने के लिए नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS) में निवेश करते हैं। इसमें निवेश करने के बाद निवेशक को रिटायरमेंट के बाद एकमुश्त राशि देते हैं। आप निवेश की गई राशि को पेंशन के तौर पर भी ले सकते हैं। आपको समय-समय पर जरूर चेक करना चाहिए कि आप इस स्कीम में कितना निवेश कर चुके हैं? **कैसे चेक करें बैलेंस** आप उमंग ऐप (Umang App) के जरिये भी बैलेंस चेक कर सकते हैं। इसके अलावा आप एनपीएस के अधिकारिक वेबसाइट पर से भी चेक कर सकते हैं। आप मोबाइल से एसएमएस करके भी बैलेंस चेक कर सकते हैं। आइए, जानते हैं कि आप किन स्टेप्स को फॉलो करके भी बैलेंस चेक कर सकते हैं।



एसएमएस के जरिये चेक करें बैलेंस आप अपने रजिस्टर्ड फोन नंबर के जरिये भी बैलेंस चेक कर सकते हैं। इसके लिए आपको अपने फोन से 9212993399 पर मिस कॉल देना है। इसके बाद आपके पास एक मैसेज आएगा। इस मैसेज में एनपीएस अकाउंट की सारी जानकारी शामिल होगी। इस सुविधा का लाभ पाने के लिए आपको पास रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर होना चाहिए। **पोर्टल से चेक करें बैलेंस**

आप एनएसडीएल (NSDL) के अधिकारिक पोर्टल पर जाना है। यहां आपको अपने अकाउंट लॉग-इन करने के लिए लॉग-इन आईडी जो आपका रिटायरमेंट नंबर है और पासवर्ड दर्ज करना है। इसके बाद आप कैप्चा कोड दर्ज करें। अब आप होल्डिंग स्टेटमेंट के ऑप्शन को सिलेक्ट करें। इसके बाद आप जैसे ही ट्रान्जेक्शन स्टेटमेंट पर क्लिक करेंगे आपके सामने एक नया विंडो ओपन होगा। यहां आप अपने अकाउंट के डिपॉजिट अमाउंट शो होगा।

उमंग ऐप से चेक करें बैलेंस आप उमंग ऐप के जरिये भी एनपीएस अकाउंट का बैलेंस चेक कर सकते हैं। इसके लिए आपको ऐप को ओपन करके लॉग-इन करना है। लॉग-इन करने के बाद आप एनपीएस पर क्लिक करें। अब आप करंट होल्डिंग ऑप्शन को सिलेक्ट करें और अपना परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नंबर और पासवर्ड दर्ज करें। इसके बाद आपका अकाउंट स्टेटमेंट शो होगा।

FPI और FII क्या होता है? दोनों में क्या है अंतर, किन वित्तीय उपकरणों में करते हैं निवेश, जानिए पूरी डिटेल

विदेशी निवेश में एफपीआई और एफआईआई दोनों ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब बात विदेशी निवेश की होती है तो विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बात जरूर होती है। कई लोग इन दोनों को एक ही समझ लेते हैं हालांकि ऐसा नहीं है। चलिए जानते हैं दोनों का मतलब क्या है और दोनों में क्या अंतर है।

नई दिल्ली। जब भी बाजार में विदेशी इन्वेस्टमेंट की बात आती है तो विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) और विदेशी संस्थागत निवेश (एफआईआई) का जिक्र जरूर होता है। दोनों ही विदेशी निवेश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शेयर मार्केट की खबर में आपने भी सुना या पढ़ा होगा की कल बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक या विदेशी संस्थागत निवेश बाजार में खरीदारी थे जिन्होंने बाजार में फलों करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।



चलिए आज हम आपको एफपीआई और एफआईआई क्या होता है यह बताते हैं साथ ही यह भी जानेंगे की दोनों में क्या अंतर होता है। **क्या होता है एफपीआई?** एफपीआई का पूरा नाम विदेशी पोर्टफोलियो निवेश होता है और जो निवेशक इसे करता है उसे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक कहा जाता है। किसी विदेशी राष्ट्र की वित्तीय परिस्थितियों में निवेश, जैसे किसी स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड स्टॉक या बॉन्ड, को

विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) के रूप में जाना जाता है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेश मतलब, विदेशी व्यक्तियों, संस्थागत निवेशकों या फंड द्वारा वित्तीय उपकरणों में किए गए निवेश। इन उपकरणों में स्टॉक, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड, सरकारी प्रतिभूतियां और अन्य शामिल होते हैं। एफपीआई निवेशक कम समय में ज्यादा रिटर्न कमाने के लिए एक्सचेंज पर लिस्टेड स्टॉक या बॉन्ड, को

की मैच्योरिटी कम होती है। **क्या होता है एफआईआई** एफआईआई का पूरा नाम विदेशी संस्थागत निवेश है। यह एफपीआई की एक एक सब कैटेगरी है। एफआईआई म्यूचुअल फंड, पेंशन फंड, बीमा कंपनियों और हेज फंड में निवेश करते हैं स्टॉक में नहीं। इसके अलावा संस्थागत निवेशक, निवेश के लिए कई स्रोतों से पैसा इकट्ठा करते हैं। व्यक्तिगत एफपीआई निवेशकों की तुलना में एफआईआई बाजारों में ज्यादा एक्टिव रहते हैं। वे निवेश से पहले पूरा अनुसंधान, विश्लेषण और उचित परिश्रम करते हैं। **दोनों में क्या है अंतर?** एफपीआई और एफआईआई के बीच मुख्य अंतर एफआईआई की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया कम कठिन है और नियामक निरीक्षण के अधीन है। वहीं एफपीआई निवेशकों के लिए प्रवेश और निकास बाधाएं कम हैं। इससे एफपीआई के पूंजी प्रवाह में अधिक लचीलापन आता है। इसलिए, वे कई बाजारों में खोज और निवेश कर सकते हैं। एफपीआई की तुलना में एफआईआई बाजार में लॉन्गटर्म के लिए पैसा लगाते हैं।

सोने की कीमत में इस हफ्ते हुई गिरावट, जानिए MCX पर क्या है रेट

सोने की कीमत में इस हफ्ते गिरावट देखने को मिली है। सोने की कीमत में नरमी की वजह डॉलर की मजबूती के साथ वैश्विक कारण हैं। डॉलर इंडेक्स एक बार फिर से 105 अंक तक पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना 1918 डॉलर प्रति औंस पर और चांदी की कीमत 22.91 डॉलर प्रति औंस पर है।

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के कारण सोने पर दबाव बना हुआ है। इस कारण 24 कैरेट का 10 ग्राम सोना का अक्टूबर का कॉन्ट्रैक्ट एमसीएक्स पर अपने उच्चतम स्तर से फिसलकर 58,907 रुपये पर आ गया है। चांदी की कीमत 71,538 रुपये प्रति किलो पर आ गई है। गिरा सोने का भाव इस हफ्ते 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत में गिरावट हुई है। एमसीएक्स पर करीब तीन हफ्तों के बाद ये पहला हफ्ता है जब सोने की कीमत में गिरावट हुई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना और चांदी एक सीमित दायरे में बने हुए हैं। सोना की कीमत 1,918 डॉलर प्रति औंस पर और चांदी की कीमत 22.91 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई है। किस कारण से गिरा सोने का भाव? सोने की कीमत में नरमी की वजह डॉलर



की मजबूती के साथ वैश्विक कारण हैं। डॉलर इंडेक्स एक बार फिर से 105 अंक तक पहुंच गया है। डॉलर में मजबूती की वजह अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उम्मीद से ज्यादा मजबूती होनी है। इसके अलावा माना जा रहा है अमेरिकी फेड की अगली बैठक तक सोना एक सीमित दायरे में कारोबार कर सकता है। फेड की बैठक की ब्याज दर से लिए काफी अहम माना जा रहा है। कुछ समय पहले फेड की ओर से आई कमेट्री में कहा गया था कि महंगाई के स्तर को देखते हुए एक बार फिर से ब्याज दर बढ़ने को लेकर कोई फैसला लिया जा सकता है।

इंडिया बनाम भारत : कौन स्वदेशी कौन विदेशी?

परिवहन विशेष न्यूज	हिमात्रेर्दक्षिण वर्ष भरतस्य न्यवेदयत। तस्मात्तु भारतं वर्ष तस्य नाम्ना विदुर्बुधाः।
हमारे देश का नाम भारत है या हिंदुस्तान या इंडिया है या आर्यावर्त या जम्बूद्वीप ? यह हमेशा से बहस का मुद्दा रहा है।फिलहाल बहस सिर्फ दो नाम पर केंद्रित हो गई है- इंडिया और भारत। संविधान में लिखा है ' इंडिया दैट इज भारत '।	अर्थात अपने इन्द्रिय रूपी सांपों पर विजय पाकर ऋषभ ने हिमालय के दक्षिण में जो राज्य भरत को दिया उसे भारतवर्ष कहते हैं।
संविधान में हिंदी प्रस्तावना की शुरुआत होती है रहम भारत के लोगह जबकि अंग्रेजी में जो प्रस्तावना है, उसकी शुरुआत होती है, रवी द पीपल ऑफ इंडियाह। इसी वजह से पूरी बहस के केंद्र में है इंडिया और भारत।	भागवत पुराण के अध्याय 4 में श्लोक है: येषां खलु महायोगी भरतो ज्येष्ठः श्रेष्ठगुण आसीद येनेदं वर्षं भारतमिति व्यपदिशन्ति
भारत का नाम भारत क्यों है, इसके पीछे कई तथ्य हैं। जैन संप्रदाय के लोग कहते हैं कि इस देश का नाम ऋषभदेव के बेटे भरत के नाम पर भारत पड़ा और इसका वर्णन मिलता है विष्णु पुराण में। विष्णु पुराण के अंश दो के अध्याय एक के श्लोक संख्या 28 से 31 तक में इस बात का वर्णन है।	अर्थात् भगवान ऋषभ को अपनी कर्मभूमि अजनाभवर्ष में 100 पुत्र प्राप्त हुए और उनमें से ज्येष्ठ पुत्र महायोगी भरत को उन्होंने अपना राज्य दिया और उन्हीं के नाम से भारतवर्ष पड़ा।
32वां श्लोक कहता है कि: ततश्च भारतं वर्षमेतल्लोकेषु गीयते भरताय यतः पित्रा दत्तं प्रातिष्ठता वनम् अर्थात् पिता ऋषभदेव ने वन जाते समय अपना राज्य भरत जी को दे दिया था और तब से यह यह देश भारतवर्ष के नाम से प्रसिद्ध हुआ।	इसके अतिरिक्त एक तथ्य यह है कि राजा दुष्यंत और शकुंतला के बेटे का नाम भरत था और उनके नाम पर देश का नाम भारत पड़ा।
लिंग पुराण में भी श्लोक है: सो भिचिस्तयाश्च ऋषभो भरतं पुत्रवत्सलः ज्ञानवैराग्यमाश्रित्य जित्वेन्द्रिय महोरगान्।	महाभारत के आदिपर्व में दूसरे अध्याय के श्लोक संख्या 96 में लिखा है: शकुन्तलायां दुष्यन्ताद् भरतश्चापि जज्ञिवान् यस्य लोकेषु नान्मेदं प्रथितं भारतं कुलम् अर्थात् परम तपस्वी महर्षि कण्व के आश्रम में दुष्यंत और शकुंतला के पुत्र भरत का जन्म हुआ है। राजा भरत के नाम से भारत पूरे विश्व में प्रसिद्ध हुआ।



विष्णु पुराण का एक श्लोक है, जो भारत की सीमाओं को प्रदर्शित करता है। (विष्णु पुराण के दूसरे खंड के तीसरे अध्याय का पहला श्लोक कहता है...

उत्तरं यत्समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्।

वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः ॥

अर्थात् समुद्र के उत्तर और हिमालय के दक्षिण में जो देश है, उसे भारत कहते हैं और इस भूभाग में रहने वाले लोग भारती हैं।

विष्णु पुराण के ही दूसरे खंड के तीसरे अध्याय का 24वां श्लोक कहता है...

गायन्ति देवाः किल गीतकानि,

के हैं। ये विविध प्रकार के देवताओं की आराधना में लगे रहते हैं और अनेक कर्मों को करते हैं।

इसके साथ ही महाभारत के भीष्म पर्व के नौवें अध्याय में धृतराष्ट्र और संजय के बीच की जो बातचीत है, उसका केंद्र भारत ही है।

इसके अलावा भी तमाम और पुराणों जैसे कि स्कंद पुराण, वायु पुराण, ब्रह्मांड पुराण, अग्नि पुराण और मार्कंडेय पुराण में भी भारत के नाम का वर्णन है। हिंदू धर्म से जुड़ा कोई भी अनुष्ठान होता है तो उसकी शुरुआत एक संकल्प से होती है। उस संकल्प के श्लोक में भारत के तमाम नाम हैं, लेकिन उन नामों में हिंदुस्तान नहीं है।

श्लोक कहता है...

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराजया प्रवर्तमानस्य, अद्य श्रीब्रह्मणो द्वितीये परांधे श्रीश्वेतावाराहकल्पे, वैवस्वतमन्वन्तरे, भूलोके, जम्बूद्वीपे, भारतवर्षे, भरतखण्डे, आर्यावर्तैकदेशान्तर्गते।

इसके बाद क्षेत्र का नाम, विक्रम संवत्, महीने का नाम, पक्ष का नाम, तिथि और तमाम दूसरी चीजों का वर्णन किया जाता है, लेकिन इस संकल्प में देश के तमाम नामों जैसे जम्बूद्वीप और आर्यावर्त के साथ ही भारतवर्ष और भरतखंड भी समाहित है।

कुल मिलाकर तथ्य यह है कि केवल महाभारत ही नहीं बल्कि सनातन धर्म के कई पुराणों में भारत का वर्णन है।

यूरिक एसिड और बचाव

यूरिक एसिड रक्त में पाया जाने वाला एक अपशिष्ट उत्पाद है। यह तब बनता है जब शरीर यूरिन (अधिकतर नॉन वेज फूड में पाया जाता है) नामक रसायन को तोड़ता है।

अधिकांश यूरिक एसिड रक्त में घुल जाता है, किडनी से गुजरता है और मूत्र में मिल जाता है।

यूरिन से भरपूर भोजन और पेय पदार्थ भी यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ाते हैं। इसमें शामिल है:

समुद्री भोजन,मांस,उच्च फ्रुक्टोज कॉर्न सिरप,शराब (विशेष रूप से बीयर, गैर-अल्कोहल बीयर सहित) के साथ भोजन और कार्बोनेटेड पेय पदार्थ,,

यदि शरीर में बहुत अधिक यूरिक एसिड रहता है, तो हाइपरयुरिसीमिया (यूरिक एसिड का बढ़ना) नामक स्थिति उत्पन्न हो जाती है। हाइपरयुरिसीमिया यूरिक एसिड (या यूरेट) के क्रिस्टल बनने का कारण बन सकता है। ये क्रिस्टल जोड़ों में जम सकते हैं और गठिया का कारण बन सकते हैं, गठिया का एक रूप जो बहुत दर्दनाक हो सकता है। वे किडनी में भी इकठा हो सकते हैं और पथरी बना सकते हैं।

उच्च यूरिक एसिड का स्तर अंततः स्थायी हड्डी, जोड़ और muscle Loss, अंगों की गंभीर बीमारी और हृदय रोग का कारण बन सकता है। शोधों ने High यूरिक एसिड स्तर और टाइप 2 sugar, High BP और Fatty Liver रोग के बीच संबंध भी दिखाया है।

कैसे हो बचाव,,

बहुत सारे तरल पदार्थ (पानी-नारियल पानी,, प्राकृतिक सूप जूस,, पीने चाहिए, लेकिन शराब और Cold drink से बचे, अधिक तरल पदार्थ पीना महत्वपूर्ण है। रोजाना कम से कम 8 - 12 गिलास पानी पीजिए,, यदि आवश्यक हो तो वजन कम करना।

आप क्या खाते हैं इस पर ध्यान दें,,

नियमित दिनचर्या, योग, प्राणायाम, व्यायाम और पोषक खाद्य पदार्थों का सेवन लगातार किसी भी रोग से बचने के लिए अत्यावश्यक है।



भारत मंडपम में शुरू होगी वैश्विक मुद्दों पर चर्चा, जानिए जी-20 समिट का पूरा शेड्यूल

परिवहन विशेष न्यूज		
नई दिल्ली। भारत में जी20 शिखर सम्मेलन को लेकर दुनियाभर के 20 से भी ज्यादा वैश्विक नेता नई दिल्ली पहुंच चुके हैं। आज से यानी शनिवार 9 सितंबर से 10 सितंबर तक भारत मंडपम में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में सभी देशों के राष्ट्रप्रमुख वैश्विक मद्दों पर चर्चा करेंगे।	बैठक यानी आज सभी 20 देशों के नेता भारत में पहली बार एक साथ दिल्ली में एक मंच पर दिखाई देंगे। ये सभी नेता एक साथ आपको भारत मंडपम में दिखेंगे। भारत मंडपम, दुनिया के सबसे बड़े और एडवांस कंवेनशन सेंटर में से एक है।	— 9:15 बजे: सभी नेता अपने-अपने होटलों की ओर प्रस्थान करेंगे
जी20 शिखर सम्मेलन 2023 में ऐसा पहली बार हो रहा है कि भारत विश्व नेताओं के इतने शक्तिशाली समूह की मेजबानी कर रहा है। जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और फ्रांस के राष्ट्रपति ईमैनुएल मैक्रॉन सहित कई पावरफुल नेता इस वक्त दिल्ली में हैं।	G20 Summit Day 1: जी20 का 9 सितंबर का पूरा शेड्यूल —सुबह 9: 30 से 10:30 तक: जी20 शिखर सम्मेलन स्थल, भारत मंडपम में नेताओं और प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों का आगमन, प्रधानमंत्री के साथ स्वागत फोटो —10:30 से 1:30 बजे तक— सत्र 1 वन अर्थ, समिट हॉल, लेवल 2, भारत मंडपम में चर्चा, कार्य शुरू करने से पहले दोपहर का भोजन होगा — 1:30 से 3:00 बजे तक- नेताओं के बीच बैठकें होंगी, द्विपक्षीय बैठकें भी होंगी। — 3:00 से 4:45 बजे तक- सत्र 2 — एक परिवार — 4:45 से 5:30 बजे तक— नेताओं के बीच बैठकें होंगी, उसके बाद नेता अपने होटल के लिए लौटेंगे। — 7:00 से 9:15 बजे तक- राष्ट्रपति द्वारा डिनर का आयोजन होगा	G20 Summit Day 2: जी20 का 10 सितंबर का पूरा शेड्यूल — 8:15 से 9:00 बजे तक: नेताओं और प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों का राजघाट पर आगमन, राजघाट पर लीडर्स लाउंज के अंदर शांति दीवार पर हस्ताक्षर — 9:00 से 9:20 बजे तक: महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि, उसके बाद महात्मा गांधी के पसंदीदा भक्ति गीत का लाइव प्रदर्शन किया जाएगा — 9:20 बजे : भारत मंडपम के लिए नेता और प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख प्रस्थान करेंगे — 9:40 से 10:15 बजे तक: भाजत मंडपम में नेताओं और प्रतिनिधिमंडल के प्रमुखों का आगमन — 10:15 से 10:30 बजे तक: भारत मंडपम के साउथ प्लाजा, लेवल 2 में वृक्षारोपण कार्यक्रम — 10:30 से 12:30 बजे तक- बैठक का सत्र 3- हमारा भविष्य।



आम आदमी पार्टी शाहपुरा ने जनसम्पर्क अभियान चलाकर केजरीवाल के गारन्टी कार्ड लोगो को बांटे



अनूप कुमार शर्मा, भीलवाड़ा। आम आदमी पार्टी का शाहपुरा बनेड़ा विधानसभा में ब्लॉक अध्यक्ष पुरण खटीक के नेतृत्व में जोर शोर जनसम्पर्क अभियान का आगाज किया आज जनसम्पर्क के तहत माताजी का खेड़ा व रेहड़ ग्राम प्रजायत मे जनसम्पर्क के माध्यम से लोगो को केजरीवाल की गारन्टीयो से अवगत कराया और एक मोका केजरीवाल को शाहपुरा बनेड़ा विधानसभा मे देने का आह्वान किया इस अवसर पर आम लोगों का भी जबरदस्त समर्थन मिल रहा है लोग बोल रहे कि हम केजरीवाल की गारन्टी और काम की राजनीति से प्रभावित है ओर भाजपा , कांग्रेस से दुखी हो गये है इस जनसम्पर्क अभियान मे वरिष्ठ कार्यकर्ता ललित सिंह चौहान , नूर मोहम्मद कायमखानी , गोविंद वैष्णव , सर्किल ईंचार्ज सत्यनारायण रैगर , सर्किल ईंचार्ज लक्ष्मण बंजारा आदि कार्यकर्ता शामिल हुऐ है।

“सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा”

नगरीय यातायात पुलिस द्वारा, आई.टी.एम.एस. द्वारा बनाये गये ई-चालानों में उल्लंघनकर्ताओं द्वारा राशि जमा नहीं करने पर, दिनांक 09 सितम्बर 2023 को नेशनल लोक अदालत हेतु 16400 समन जारी कराये गये। इस तारतम्य में 1496 चालानों का ऑनलाईन/ऑफलाईन निराकरण किया जाकर का 5,88,400/- समन शुल्क जमा कराया। नगरीय यातायात पुलिस भोपाल द्वारा यातायात नियमों के उल्लंघनकर्ताओं पर ई-चालान का समन शुल्क जमा कराने की कार्यवाही न्यायालय के आदेश से निरंतर जारी रहेगी। इसके अन्तर्गत ई-चालान का समन शुल्क जमा नहीं करने वाले उल्लंघनकर्ताओं के लिये वाट जारी करने की प्रक्रिया अपनायी जायेगी। आम जनता से अनुरोध है कि यातयात नियमों का पालन कर यातायात व्यवस्था में सहयोग करें। किसी प्रकार की असुविधा होने पर यातायात दूरभाष नं. 0755-2677340, 2443850 पर सम्पर्क करें। नगरीय यातायात पुलिस भोपाल



मोरक्को में भयानक भूकंप से भारी जन धन की हानि, 300 से ज्यादा मौत, पीएम मोदी ने संवेदना जताई

परिवहन विशेष न्यूज
नई दिल्ली: अफ्रीकी देश मोरक्को में आज सुबह भयानक भूकंप से आया. 6.8 तीव्रता के भूकंप से मोरक्को में भयंकर नुकसान पहुंचा है. इस घटना में 300 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है. भूकंप के कारण इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और लोग रवात से लेकर मराकेश तक प्रमुख शहरों की सड़कों पर भागने लगे. भूकंप का केंद्र मारा केच से लगभग 70 किलोमीटर (43.5 मील) दक्षिण में एटसस पर्वत की ऊंचाई पर था. यह उत्तरी अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी टूबकाल और मोरक्को के लोकप्रिय स्की रिसॉर्ट ओकाइमेडेन के भी पास है. एक स्थानीय अधिकारी ने कहा कि ज्यादातर मौतें पहाड़ी इलाकों में हुईं जहां पहुंचना मुश्किल है.
मोरक्को में भूकंप से हुई तबाही और जनहानि पर भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने दुःख जताया है,

साथ ही पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की, साथ ही भरोसा दिलाया है कि इस दुःखद समय में भारत हर संभव मोरक्को को सहायता प्रदान करेगा.

इस भयानक भूकंप से यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, माराकेच में पुराने शहर को घेरने वाली प्रसिद्ध लाल दीवारों के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए हैं.

मोरक्को के आंतरिक मंत्रालय ने मृतकों की संख्या पर टेलीविजन पर प्रसारित अपने बयान में शांति का आग्रह किया और कहा कि भूकंप ने अल होज, उआरजाजेट, माराकेच, अजीलाल, चिचौआ और तारौदंत प्रांतों को प्रभावित किया है. पर्यटकों ने क्षेत्र में भूकंप के बाद अपनी जान बचाने के लिए लोगों को भागते और चिल्लाते हुए कैद करने वाले वीडियो भी साझा किए हैं.

बता दें कि भूकंप आने की वजह से कई इमारतें

जमींदोज हो गईं.इस वजह से बड़ी संख्या में लोग मलबे में दब गए.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ जियोफिजिक्स में भूकंपीय निगरानी और चेतावनी विभाग के प्रमुख लाहसेन मन्नी ने 2एम टीवी को बताया कि भूकंप र असाधारण था.

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 6.8 थी जब यह रात 11:11 बजे (2211 GMT) आया, झटके कई सेकंड तक रहे. मोरक्को के राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी और चेतावनी नेटवर्क ने रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 7 मापी है.अमेरिकी एजेंसी ने 19 मिनट बाद 4.9 तीव्रता का झटका आने की सूचना दी.

मोरक्को में राहत कार्य लगातार जारी है. सैकड़ों घायल हैं तथा अनेक गंभीर हैं जिससे मरने वालों का आंकड़ा और भी बढ़ सकता है.



भगवान शनि का 700 वर्ष प्राचीन धाम विलमकूलम (तमिलनाडु) जहां दोनों पत्नियों मंदा और ज्येष्ठा के साथ होती पूजा

परिवहन विशेष न्यूज
नई दिल्ली। !!.भगवान शिव अक्षयपुरिश्वर के रूप में विराजमान, शनि से शारीरिक रूप से परेशान तथा साढ़ेसाती से मिलती मुक्ति. !!
भारत में तमिलनाडु के पेरावोरानी के पास तंजावूर के विलनकुलम में अक्षयपुरीश्वर मंदिर है। ये मंदिर भगवान शनि के पैर टूटने की घटना से जुड़ा हुआ है। इस मंदिर में शारीरिक रूप से परेशान और साढ़ेसाती में पैदा हुए लोग शनिदेव की विशेष पूजा के लिए आते हैं। यहां के प्रमुख भगवान शिव अक्षयपुरीश्वर और देवी पार्वती अभिवृद्धि नायकी के रूप में हैं। इनके साथ ही शनिदेव की पूजा उनकी पत्नियों के साथ की जाती है।
पत्नियों के साथ होती शनि देव की पूजा..... यहां शनिदेव की पूजा उनकी दोनों पत्नियों मंदा और ज्येष्ठा के साथ की जाती है। इन्हें यहां आदी बृहत शनेश्वर कहा जाता है। यहां साढ़ेसाती, दुय्या और शनि दोष से परेशान लोग पूजा करने आते हैं। इनके अलावा शारीरिक रूप से परेशान और वैवाहिक जीवन में दुखी लोग यहां विशेष

पूजा और अनुष्ठान करवाते हैं। शनिदेव अंक 8 के स्वामी भी हैं इसलिए यहां 8 बार 8 वस्तुओं के साथ पूजा करके बाएं से दाईं ओर 8 बार परिक्रमा भी की जाती है।

शनिदेव को मिला विवाह और पैर ठीक होने का आशीर्वाद.....

पौराणिक कथा के अनुसार यहां पहले बहुत सारे बिल्व वृक्ष थे। तमिल शब्द विलम का अर्थ बिल्व होता है और कुलम का अर्थ झुंड होता है। यानी यहां बहुत सारे बिल्ववृक्ष होने से इस स्थान का नाम विलमकूलम पड़ा। यहां बहुत सारे बिल्व वृक्ष होने से उनकी जड़ों में शनिदेव का पैर उलझ गया और वो यहां गिर गए थे। जिससे उनके पैर में चोट आई और वो पंगु हो गए।

अपने इस रोग को दूर करने के लिए उन्होंने यहां भगवान शिव की पूजा की। शिवजी ने प्रकट होकर उन्हें विवाह और



पैर ठीक होने का आशीर्वाद दिया। तब से इन परेशानियों से जुड़े लोग यहां विशेष पूजा करवाते हैं।

करीब 700 साल पुराना है मंदिर.....

तमिलनाडु के विलनकुलम में बना अक्षयपुरीश्वर मंदिर तमिल वास्तुकला के अनुसार बना है। माना जाता है कि इसे

चोल शासक पराक्र पंड्यान द्वारा बनवाया गया है। जो 1335 ईस्वी से 1365 ईस्वी के बीच बना है। करीब 700 साल पुराने इस मंदिर के प्रमुख देवता भगवान शिव हैं। उन्हें श्री अक्षयपुरीश्वर कहा जाता है। उनके साथ उनकी शक्ति यानी देवी पार्वती की पूजा श्री अभिवृद्धि नायकी के रूप में की जाती है।

मंदिर की बनावट.....

मंदिर की आयताकार बाउंड्री दीवारों से बनी है। मंदिर प्रांगण विशाल है और यहां कई छोटे मंडप और हॉल बने हुए हैं। मंदिर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा भीतरी मंडप है जो बड़े पैमाने पर दीवारों से घिरा हुआ है। यहां कोटरीनुमा स्थान हैं जहां सूर्य का प्रकाश नहीं पहुंच पाता है। इस देवालय के बीच में गर्भगृह बना हुआ है। जहां भगवान शिव अक्षयपुरिश्वर के रूप में विराजमान हैं। यहां पत्थर का एक बड़ा शिवलिंग है। मंदिर के पुजारी ही इस गर्भगृह में प्रवेश कर सकते हैं।